E PAPER

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्ष: 01 | अंक: 47 | पृष्ठ: 8 | अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) | जयपुर, रविवार 30 अगस्त, 2026 | मूल्य: ₹10.00 | प्रभात | RNI NO. RJMUL/26/A4290

कीचड़ और मलबे में तब्दील हुए घर, दलदल में धंसी मिली लाशें, रोंगटे खड़े कर देंगी बाढ़ के 24 घंटे बाद की तस्वीरें



थिंक राजस्थान

काठमांडू। फ्लेश फ्लड का पानी उतरने के बाद नेपाल की जो तस्वीरें सामने आ रही हैं वो पहले से भी ज्यादा डराने वाली हैं। पहले बहती हुई नदी का जो किनारा बेहद खूबसूरत लगता था वो अब कीचड़ और मलबे में दबा हुआ है। बहुत सी जगह पर जमीन में लाशें धंसी नजर आ रही हैं। रेस्क्यू में मिलने वाले लोग भी डरे सहमे दिख रहे है। कल तक नजर आ रही बाढ़ की तस्वीरें जितना दिल दहलाने वाली थीं। बाढ़ का पानी उतरने के बाद नेपाल जिस हाल में है उसे देखकर भी दिल की धड़कन थम सी जाएगी। लोग अब घरों में लौट रहे हैं। लेकिन घर अब चार दिवारी के दिखाई नहीं देते। कीचड़ और मलबे से सने ईंट पत्थर के ढेर दिखाई देते हैं। नेपाल में 26 अगस्त को ग्लेशियर टूटने और भूस्खलन आने के बाद अचानक बाढ़ आ गई थी। इस घटना में अब तक 676 लोगों की मौत की खबर है, जबकि 2500 लोग लापता बताए जा रहे हैं। इस घटना के तीन दिन बीत चुके हैं और बाढ़ का पानी भी उतर गया है। इसके बाद वहां से बेहद ही विचलित करने वाली तस्वीरें सामने आई हैं। बाढ़ की वजह से कीचड़ और पत्थरों के मिल जाने से जमीन का स्तर ऊपर उठ गया है। राहत एवं बचाव टीम का लगातार अभियान जारी किया। इस बीच टनल में फंसे लोगों को किस तरह निकाला जा रहा है। बाढ़ का पानी कम होने के बाद राहत एवं बचाव दल के सामने अब तबाही के वास्तविक स्तर का आकलन करने की बड़ी चुनौती है। जिन इलाकों में पहले तेज बहाव के कारण पहुंचना संभव नहीं था, वहां पानी उतरने के बाद मलबा, बड़े-बड़े पत्थर और गाद जमा मिली है। कई स्थानों पर सड़कें और संपर्क मार्ग पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जिससे बचाव दल को प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचने में कठिनाई हो रही है। घरों की तलाश में जुटे लोग मलबे के बीच अपने सामान और परिजनों के बारे में जानकारी खोज रहे हैं। कई परिवारों के लिए राहत कार्य के साथ अपनों की तलाश सबसे बड़ी चिंता बनी हुई है। प्रशासन और बचाव दल संभावित प्रभावित स्थानों की पहचान कर वहां खोज अभियान चला रहे हैं। मलबे की मोटी परत के कारण तलाशी अभियान में मशीनों के साथ-साथ प्रशिक्षित बचावकर्मियों की भी मदद ली जा रही है। टनलों और अन्य बंद स्थानों में फंसे लोगों को बाहर निकालना बचाव दल के लिए विशेष चुनौती बना हुआ है। ऐसे स्थानों पर पहले संरचना की सुरक्षा का आकलन किया जाता है, ताकि बचावकर्मियों और अंदर फंसे लोगों की जान को अतिरिक्त खतरा न हो। इसके बाद मलबा हटाकर सुरक्षित रास्ता बनाने और अंदर तक पहुंचने का प्रयास किया जाता है। जहां संभव होता है, वहां उपकरणों की सहायता से रास्ता साफ कर फंसे लोगों को बाहर निकाला जाता है। बाढ़ के बाद अब संक्रमण और स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी बढ़ गए हैं। लंबे समय तक गंदे पानी और कीचड़ के संपर्क में रहने से प्रभावित लोगों के सामने स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। राहत शिविरों में भोजन, स्वच्छ पेयजल, दवाओं और प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था करना भी बचाव अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। प्रभावित क्षेत्रों में बचाव दल लगातार मलबे और क्षतिग्रस्त ढांचों की जांच कर रहे हैं। कई जगहों पर स्थानीय लोग भी अपने स्तर पर राहत कार्य में सहयोग कर रहे हैं। प्रशासन की प्राथमिकता लापता लोगों की तलाश, घायलों को चिकित्सा सहायता पहुंचाना और प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना बनी हुई है।

'पाकिस्तान को जवाब देने का तरीका बदल गया', ऑपरेशन सिंदूर पर बोले पूर्व आर्मी चीफ नरवणे

थिंक राजस्थान

वडोदरा। पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान के खिलाफ भारत के रवैये में बड़ा बदलाव किया है। भारत ने इस कार्रवाई में सिर्फ सीमा के पास मौजूद आतंकी ठिकानों को निशाना नहीं बनाया, बल्कि पाकिस्तान के अंदर बैठे उन लोगों को भी निशाना बनाया, जो आतंकवादियों को समर्थन और मदद देते हैं। वडोदरा में एक निजी कार्यक्रम में स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने पहुंचे जनरल एमएम नरवणे ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में ऑपरेशन सिंदूर को जरूरी कार्रवाई बताया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई पहलगाम आतंकी हमले के बाद की गई थी। पूर्व सेना प्रमुख ने कहा कि पहले भारत की सैन्य कार्रवाई आम तौर पर सीमा के आसपास मौजूद आतंकी ठिकानों तक सीमित रहती थी। उन्होंने उरी हमले के बाद की कार्रवाई और पुलवामा हमले के बाद बालाकोट एयरस्ट्राइक का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि उस समय मुख्य रूप से सीमा के पास मौजूद आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया गया था।

ग्रेटर नोएडा में छह साल की मासूम की हत्या, हल्दौनी गांव में शव मिलने से मचा हड़कंप, आरोपी हिरासत में



थिंक राजस्थान

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र के हल्दौनी गांव में छह साल की मासूम बच्ची की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बच्ची 28 अगस्त को अपने घर से अचानक लापता हो गई थी। काफी तलाश करने के बाद जब बच्ची नहीं मिली तो परिजनों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके आधार पर थाना ईकोटेक-3 में मुकदमा दर्ज किया गया। बच्ची की तलाश और मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने पांच टीमों का गठन किया था। पुलिस टीमों ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी एवं स्थानीय स्रोतों की मदद से जांच को आगे बढ़ाया। जांच के दौरान एक संदिग्ध आरोपी की पहचान हुई, जिसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने बच्ची का शव भी बरामद कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, 28 अगस्त को हल्दौनी गांव निवासी करीब छह वर्षीय बच्ची के परिजनों ने उसके बिना बताए घर से चले जाने की सूचना दी थी। परिजनों की तहरीर के आधार पर ईकोटेक-3 थाने में अभियोग पंजीकृत किया गया। बच्ची को जल्द से जल्द तलाशने के लिए पुलिस की पांच टीमें लगाई गईं। टीमों ने गांव और आसपास के इलाकों में तलाश के साथ-साथ अलग-अलग स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच के दौरान पुलिस को कुछ महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे।

रूस-यूक्रेन जंग में बड़ा हमला, कीव के पास 27 लोगों की मौत, कई घरों में लगी आग



थिंक राजस्थान

मॉस्को। रूस और यूक्रेन के बीच लगातार हमले जारी हैं। इस बीच जानकारी मिली है कि रूसी सेना ने राजधानी कीव में बड़ा हवाई हमला किया है। जिसमें कम से कम 27 लोगों के मारे जाने की खबर है। यह हमला कीव के पास बुचा जिले में लॉन्ग रेंज से किया गया है। इसमें 42 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं और करीब 50 रिहायशी इमारतें क्षतिग्रस्त हुई हैं। रूस के इस ताजा हमले को लेकर बुचा जिले के लोकल रीजनल मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के हेड तिमुर तकाचेंतो ने इसे दुखद बताया है और 27 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। साथ ही 50 रिहायशी इमारतें क्षतिग्रस्त होना भी बताया गया है। उन्होंने मृतकों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की हैं और कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। वहीं, इस हमले की वजह से भयावह आग लगने की भी घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि आग लगने से कई घर इसकी चपेट में आ गए हैं। ABC न्यूज ने अपनी रिपोर्ट में तिमुर तकाचेंतो के सोशल मीडिया टेलीग्राम की पोस्ट के हवाले से बताया, 'हमले में 42 अन्य लोग घायल भी हुए हैं, जिनमें चार बच्चे भी शामिल हैं। इन घायलों में सात लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कीव से करीब 20 मील उत्तर-पश्चिम में स्थित बुचा जिले में रूसी हमले के बाद फैले मलबे को हटाने, लोगों को बचाने और लगी आग को बुझाने के लिए तेजी से रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। इमरजेंसी टीमें आग बुझाने, सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने और आसपास की इमारतों की जांच करने में जुटी हुई हैं।' उन्होंने बताया कि हमले वाले स्थान पर मेडिकल सर्विस की टीमें मौजूद हैं। वहीं, घटनास्थल से कुल 381 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। इनमें 59 बच्चे शामिल हैं। हालांकि, जेलेंस्की ने घटनास्थल के बारे में अधिक जानकारी साझा नहीं की है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, ताशकंद की धरती पर आपका स्वागत है', भारतीय पीएम ने शेयर किया दिल जीतने वाला वीडियो

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार से दो दिवसीय उज्बेकिस्तान की यात्रा पर हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक दिल जीतने वाला वीडियो शेयर किया है। वीडियो में उज्बेकिस्तान के छात्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ कर रहे हैं और ताशकंद में उनके स्वागत करने की उत्सुकता दिखा रहे हैं। इस वीडियो में उज्बेकिस्तान के कुछ छात्र-छात्राएं ये कहते हुए नजर आ रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, ताशकंद की धरती पर आपका स्वागत है। हम आपके ताशकंद आने का इंतजार कर रहे हैं। कुछ छात्र भारत और उज्बेकिस्तान के द्विपक्षीय संबंधों पर प्रकाश भी डाल रहे हैं। प्रधानमंत्री यहां 31 अगस्त से 1 सितंबर 2026 तक 26वें एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए किर्गिज गणराज्य की यात्रा कर रहे हैं। उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 से 30 अगस्त तक ताशकंद की राजकीय यात्रा करेंगे। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उज्बेकिस्तान की चौथी यात्रा होगी। यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगे, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना है। दोनों नेता व्यापार और निवेश, रक्षा, डिजिटल संपर्क, ऊर्जा, शिक्षा तथा लोगों के बीच आपसी संबंधों के क्षेत्र में सहयोग की समीक्षा करेंगे और भविष्य के लिए कार्यसूची तय करेंगे। दोनों नेता विकसित भारत और उज्बेकिस्तान-2030 के साझा विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने पर भी अपने विचार साझा करेंगे। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी के ताशकंद में शास्त्री स्मारक तथा ताशकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज में महात्मा गांधी केंद्र का दौरा करने की भी संभावना है।



नीट-पीजी 2026 : 2.73 लाख से अधिक मेडिकल ग्रेजुएट्स के लिए रविवार को परीक्षा

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट फॉर पोस्ट-ग्रेजुएट (नीट-पीजी) 2026 रविवार को देश भर के 340 शहरों में निर्धारित 1,300 केंद्रों पर आयोजित की जाएगी, जिसमें 2.73 लाख से ज्यादा मेडिकल ग्रेजुएट के शामिल होने की उम्मीद है। एक अधिकारी ने बताया कि नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन्स इन मेडिकल साइंसेज (एनबीईएमएस) ने 26 अगस्त को नीट-पीजी 2026 का एडमिट कार्ड आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किया था। इससे पहले, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने नीट-पीजी 2026 की तैयारियों का जायजा लिया था। केंद्रीय मंत्री ने सभी संबंधित लोगों को परीक्षा की प्रक्रिया को सुचारू, सुरक्षित, पारदर्शी और टेक्नोलॉजी-आधारित बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि फाइनल प्रश्न पत्र परीक्षा शुरू होने से कुछ समय पहले एक बहुत सुरक्षित, एन्क्रिप्टेड और समय-सीमा वाली प्रक्रिया के जरिए चुना जाता है।

भारत की प्रगति के लिए रिसर्च, इनोवेशन और इंडस्ट्री-एकेडेमिया सहयोग अहम

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शनिवार को कहा कि शिक्षण संस्थानों को केवल बुनियादी शिक्षा देने से आगे बढ़कर ज्ञान, अनुसंधान और नवाचार के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित होना चाहिए।

वे पेरुंदुरई, इरोड में कोंगु वेल्लार इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ट्रस्ट (केवीआईटी) के 'अरीवुकुडम' के उद्घाटन और स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने 41 संस्थापकों की दूरदर्शिता की सराहना की और बताया कि केवीआईटी संस्थानों के माध्यम से लगभग एक लाख लोगों ने शिक्षा प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि कोंगु क्षेत्र में शिक्षा के विकास में उनके योगदान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और जर्मनी, अमेरिका, फ्रांस और जापान जैसे देशों के साथ इन संस्थानों के वैश्विक संबंधों की प्रशंसा की।

मक्का समझौते में राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव, त्रिपक्षीय संधि विरोधाभास से भरी



थिंक राजस्थान

ओटावा। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की के बीच हुए मक्का समझौते में कई विरोधाभास हैं। इसमें राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी दिखती है तो मूल्यों में भी समानता नहीं है। एक रिपोर्ट समझौते में मौजूद खामियों को उजागर करती है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि कोई साझा मूल्य, समान हित या खतरे को लेकर एक जैसी सोच न होने और किसी साझा दुश्मन के न होने के कारण, इस त्रिपक्षीय समझौते के सामने यह बुनियादी सवाल है कि आखिर ये एकजुट कैसे रहेंगे। कनाडा स्थित 'जियोपॉलिटिकल मॉनिटर' की एक रिपोर्ट में कहा गया है, 'ईरान युद्ध मध्य पूर्व की भू-राजनीति को बदल रहा है। खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों को बार-बार निशाना बनाया गया है और अमेरिका समुद्री यातायात और ऊर्जा की आपूर्ति के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह से खोलने में असमर्थ रहा है। इसने मध्य पूर्व के देशों को वाशिंगटन से हटकर अपने रक्षा साझेदारों में विविधता लाने के लिए प्रेरित किया है। इस बदलती रणनीति का सबसे स्पष्ट उदाहरण अगस्त की शुरुआत में देखने को मिला, जब सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान ने मक्का संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए।' मक्का समझौते को नाटो जैसे सुरक्षा समझौते के तौर पर पेश किया जा रहा है, जिसमें नाटो के अनुच्छेद 5 जैसा ही प्रावधान है; इसके तहत तीनों देशों में से किसी एक पर भी सशस्त्र हमले को उन सभी पर हमला माना जाएगा। मक्का समझौते में मौजूद विरोधाभास को उजागर करते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि इस समूह के कुछ सदस्यों के संबंध एक-दूसरे के दुश्मनों के साथ गहरे हैं। इसमें सवाल उठाया गया है कि क्या सऊदी अरब, जिसने पिछले दशक में भारत के साथ अपने संबंधों को काफी मजबूत किया है, नई दिल्ली के साथ भविष्य के किसी संघर्ष में पाकिस्तान का समर्थन करेगा? रिपोर्ट में कहा गया है, 'अतीत में, रियाद ने इस्लामाबाद से यमन युद्ध के लिए सैनिक, जहाज और विमान भेजने को कहा था। हालांकि, पाकिस्तान की संसद ने युद्ध में शामिल न होने के पक्ष में मतदान किया। हर देश युद्ध और शांति के मामलों पर अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर विचार करता है, और इसलिए, इस बात को लेकर आशंकाएं हैं कि क्या तीनों देश एक-दूसरे की मदद करेंगे या नहीं। ये लोकतांत्रिक देशों का समूह है।

एफएसएसएआई ने एवरेस्ट और लालजी गोधू पर मिश्रित हींग पाउडर बेचने पर लगाया प्रतिबंध

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य और खाद्य गुणवत्ता की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए देश के दो प्रमुख मसाला ब्रांड एवरेस्ट और लालजी गोधू की कम्पाउंडेड यानी मिश्रित हींग की बिक्री पर रोक लगा दी है। यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत की गई है, जब जांच में दोनों कंपनियों के हींग उत्पाद निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरे। एफएसएसएआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि एम/एस एवरेस्ट फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और एम/एस लालजी गोधू एंड कंपनी के खिलाफ नियामकीय कार्रवाई करते हुए उनके हींग उत्पादों की बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। हालांकि प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई केवल हींग उत्पादों तक सीमित है और कंपनियों के अन्य मसाला उत्पाद जैसे गरम मसाला, अंडा करी मसाला या चिकन करी मसाला पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। इस मामले की शुरुआत एक उपभोक्ता द्वारा हींग की गुणवत्ता को लेकर शिकायत दर्ज कराने के बाद हुई। शिकायत मिलने के बाद एफएसएसएआई ने बाजार में उपलब्ध विभिन्न हींग ब्रांडों की व्यापक जांच शुरू की। शुरुआती प्रयोगशाला परीक्षणों में एवरेस्ट और लालजी गोधू की कम्पाउंडेड हींग गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं पाई गई। इसके बाद दोनों कंपनियों की मुंबई स्थित केंद्रीय लाइसेंस प्राप्त निर्माण इकाइयों से नमूने लेकर विस्तृत परीक्षण कराया गया। साथ ही, गुजरात के उमरगांव स्थित एवरेस्ट की एक अन्य विनिर्माण इकाई पर राज्य खाद्य सुरक्षा विभाग के सहयोग से भी सैंपलिंग की गई। जांच में लिए गए सभी नमूनों में गंभीर गुणवत्ता संबंधी कमियां सामने आईं। खाद्य सुरक्षा नियमों के अनुसार, कम्पाउंडेड हींग बनाने के लिए शुद्ध हींग को गोंद, स्टार्च और आटे के साथ मिलाया जाता है।

संपादकीय

नगर निगम चुनाव से पहले भाजपा को झटका: पाली के राकेश भाटी कांग्रेस में शामिल



एजेंसी, थिंक राजस्थान

पाली/जयपुर। आगामी पाली नगर निगम चुनावों से ठीक पहले मारवाड़ की राजनीति में बड़ा सियासी उलटफेर देखने को मिला है। नगर परिषद के पूर्व सभापति, निवर्तमान महापौर के पति और सांसद प्रतिनिधि रहे कद्दावर भाजपा नेता राकेश भाटी ने पार्टी को अलविदा कहकर कांग्रेस का दामन थाम लिया है।

जयपुर स्थित प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के वार रूम में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने उन्हें विधिवत कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कराई। इस मौके पर पाली से कांग्रेस विधायक भीमराज भाटी, जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह निंबाड़ा और पर्यवेक्षक हेम सिंह शेखावत भी प्रमुख रूप से मौजूद रहे। राकेश भाटी का पाला बदलना केवल एक नेता का दलबदल नहीं है, बल्कि भाजपा के लिए यह दोहरा राजनीतिक आघात माना जा रहा है। सबसे अहम बात यह है कि भाटी भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के गृह जिले और उन्हीं की जाति-बिरादरी (घांची समाज) से ताल्लुक रखते हैं। मदन राठौड़ के गृह क्षेत्र में उनके ही सजातीय और मजबूत जनाधार वाले नेता का चुनाव से ऐन पहले कांग्रेस में जाना सीधे तौर पर भाजपा के स्थानीय संगठन और प्रदेश नेतृत्व की पकड़ पर सवाल खड़े करता है।

भाजपा महामंत्री बगड़ी बोले- नीचे से जो नाम आएंगे, उन्हें ही टिकट; कांग्रेस की बगावत की आस रहेगी अधूरी



जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान में नगरीय निकाय चुनाव को लेकर भाजपा में टिकटों को लेकर मंथन जारी है। प्रदेश की 309 नगरीय निकायों के वार्डों के लिए भाजपा मुख्यालय में संभागवार बैठकों का दौर चल रहा है। इसी बीच भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने कहा है कि पार्टी में टिकट वितरण की प्रक्रिया नीचे से ऊपर तक तय है और स्थानीय स्तर से जो नाम आएंगे, उन्हीं को प्राथमिकता दी जाएगी। बगड़ी ने बताया कि टिकट चयन की प्रक्रिया सबसे पहले निकाय स्तर की कोर कमेटी से शुरू हुई। इसके बाद विधानसभा और जिला स्तर की कमेटियों में नामों पर चर्चा की गई। सभी स्तरों से मंथन के बाद प्रस्ताव प्रदेश स्तर पर पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि नीचे से सामूहिक निर्णय के आधार पर जो नाम आएंगे, उनमें बदलाव की गुंजाइश बहुत कम होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा में टिकट वितरण किसी एक व्यक्ति के निर्णय पर नहीं, बल्कि सामूहिक निर्णय और स्थानीय फीडबैक के आधार पर होता है। वार्ड में सक्रियता, जनता के बीच पकड़ और चुनाव जीतने की क्षमता जैसे पहलुओं को ध्यान में रखा जा रहा है। बगड़ी के अनुसार टिकट के दावेदार अधिक होना स्वाभाविक है, लेकिन टिकट एक ही व्यक्ति को मिलना है। पार्टी नाराज कार्यकर्ताओं से संवाद कर उन्हें साथ रखने का प्रयास करेगी। कांग्रेस के भाजपा में संभावित विरोध और बगावत के आरोपों पर बगड़ी ने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि भाजपा में टिकट वितरण को लेकर विवाद और बगावत हो, लेकिन उसकी यह उम्मीद पूरी नहीं होगी। उन्होंने दावा किया कि भाजपा में सामूहिक रूप से निर्णय लिए जा रहे हैं और संगठन एकजुट है। बगड़ी ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस खुद अलग-अलग नेताओं के खेमों में बंटी हुई है। उन्होंने अशोक गहलोत, गोविंद सिंह डोटासरा, टीकाराम जूली और सचिन पायलट के नाम लेते हुए कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता यह तय नहीं कर पा रहे कि टिकट के लिए किस नेता के पास जाएं। संभावित बगावत के सवाल पर भाजपा महामंत्री ने कहा कि टिकट नहीं मिलने से किसी कार्यकर्ता का सम्मान या संगठन में उसकी भूमिका कम नहीं होगी। पार्टी कार्यकर्ताओं को संगठन का परिवार बताते हुए उन्होंने कहा कि संवाद के जरिए नाराजगी दूर की जाएगी।

संत रामपाल महाराज के 76वें अवतरण दिवस का निमंत्रण: ढिगारिया सरपंच घासी लाल गुर्जर को सौंपा

एजेंसी, थिंक राजस्थान

दौसा। लवाण तहसील क्षेत्र के गांव ढिगारिया में जगतगुरु तत्वदर्शी संत रामपाल महाराज के आगामी 76वें अवतरण दिवस समारोह को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसी क्रम में अनुयायियों द्वारा ढिगारिया ग्राम पंचायत के सरपंच घासी लाल गुर्जर को कार्यक्रम का औपचारिक निमंत्रण सौंपा गया। अनुयायियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सरपंच से मुलाकात कर उन्हें राजस्थान के सतलोक आश्रम सोजत (पाली) में आयोजित होने वाले विशाल समागम में शामिल होने का न्योता दिया और कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि सतलोक आश्रम सोजत में 6, 7 एवं 8 सितंबर को तीन दिवसीय भव्य धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान सत्संग, अखंड पाठ और सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम होंगे।



आरजीएचएस में अब पर्ची पर संबंधित चिकित्सक का स्वयं सत्यापन अनिवार्य

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने बताया कि राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (आरजीएचएस) के अंतर्गत जारी होने वाले चिकित्सकीय परामर्श एवं प्रिस्क्रिप्शन की विश्वसनीयता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान यह तथ्य सामने आए है कि कुछ मामलों में लाभार्थियों की प्रिस्क्रिप्शन/पर्चियां जूनियर रेजिडेंट अथवा अन्य कार्मिकों द्वारा तैयार एवं हस्ताक्षरित की जा रही हैं तथा संबंधित आरजीएचएस से सबद्ध पंजीकृत चिकित्सक (आरएमपी) द्वारा उनका सत्यापन एवं प्रमाणीकरण नहीं किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नए निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि कोई भी अन्य व्यक्ति संबंधित चिकित्सक की ओर से प्रिस्क्रिप्शन पर हस्ताक्षर अथवा प्रमाणीकरण नहीं कर सकेगा।

रन फॉर फिट बीकाणा-6 में उमड़ा बीकानेर, हजारों ने लिया नशामुक्ति का संकल्प

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राष्ट्रीय खेल दिवस एवं मेजर ध्यानचंद जयंती के अवसर पर एकलव्य फाउंडेशन और क्रीड़ा भारती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'रन फॉर फिट बीकाणा-6' में हजारों खिलाड़ियों, युवाओं, विद्यार्थियों और आमजन ने भाग लिया। वॉकथॉन के जरिए स्वस्थ एवं नशामुक्त बीकानेर का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में खेल प्रदर्शन और विभिन्न गतिविधियां भी आयोजित की गईं। इस दौरान बीकानेर के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को 'बीकाणा गौरव अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। सम्मानित खिलाड़ियों में आर्चरी के प्रांजल ठोलिया, शूटिंग के उद्धव सिंह हरासर, साइकिलिंग के हरीप्रकाश सिंवर, ताइक्वांडो की हर्षिता राजपुरोहित, रोलर स्केटिंग की नीलम सोनी, बॉक्सिंग की अनीता, बास्केटबॉल के भूपेंद्र सिंह राठौड़, कबड्डी की मोनिका छरंग, क्रिकेट की दीक्षा जाखड़, फुटबॉल के राहुल ओझा तथा एक्रोबेटिक जिम्नास्टिक के आनन्द सिंह भाटी, अरविन्द सिंह भाटी, कृष्णराज सिंह भाटी और बलदेव सोलंकी शामिल रहे। उन्होंने युवाओं से खेलों को जीवन का हिस्सा बनाने और नशे से दूर रहने का आह्वान किया।



पलाई में श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ, निकली भव्य कलश यात्रा

एजेंसी, थिंक राजस्थान

टोंक। जिले के पलाई कस्बे में 29 अगस्त से 8 सितंबर तक आयोजित होने वाली श्रीमद्भागवत कथा के शुभारंभ अवसर पर शनिवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा से पूर्व भूतेश्वर महादेव मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई।

इसके बाद श्रद्धालुओं ने भगवान के जयकारों के साथ कलश यात्रा प्रारंभ की। कलश यात्रा में प्रधान कलश की बोली रामलाल धाकड़ के नाम रही। वहीं श्रीमद्भागवत ग्रंथ को कलश यात्रा में लेकर चलने का सौभाग्य रामकिशन धाकड़ (बाग वाले) को मिला। ध्वज-पताका लेकर रमेश धाकड़ यात्रा में आगे चल रहे थे। डीजे की धुन पर महिलाएं भजनों पर नाचते-गाते हुए कलश यात्रा में शामिल हुईं। कलश यात्रा भूतेश्वर महादेव मंदिर से शुरू होकर भैरूजी चौक, मुख्य बाजार और बस स्टैंड होते हुए चारभुजानाथ मंदिर पहुंची। आयोजकों के अनुसार श्रीमद्भागवत कथा प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक होगी।

भंवरी देवी हत्याकांड में जांच को नई दिशा, तीन संदिग्धों का होगा पॉलीग्राफी टेस्ट

एजेंसी, थिंक राजस्थान

फलोदी। लोहावट में भंवरी देवी बिश्नोई की हत्या के मामले में पुलिस ने जांच को आगे बढ़ाने के लिए नई कार्रवाई की तैयारी की है। घटना के 33 दिन बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। वहीं गिरफ्तारी की मांग को लेकर थाने के बाहर 24 दिनों से धरना जारी है। अब पुलिस अधीक्षक सतनाम सिंह ने मामले की जांच लोहावट वृत्ताधिकारी भवानी सिंह से हटाकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ब्रजराज सिंह चारण को सौंप दी है। एसपी सतनाम सिंह के अनुसार जांच के दौरान सामने आए कुछ तथ्यों की पुष्टि के लिए तीन संदिग्ध व्यक्तियों का पॉलीग्राफी टेस्ट कराया जाएगा। इसके लिए जरूरी अनुमति मिल चुकी है और तीनों संदिग्धों ने परीक्षण के लिए अपनी सहमति भी दे दी है। एफएसएल के माध्यम से आने वाले दिनों में यह टेस्ट कराया जाना प्रस्तावित है। 27 जुलाई की रात भंवरी देवी बिश्नोई की उनके खेत में बने घर के बाहर सोते समय हत्या कर दी गई थी। शनिवार को इस घटना को 33 दिन हो चुके हैं। हत्या के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर पूर्व विधायक किशना राम विश्नोई के नेतृत्व में थाने के बाहर लगातार धरना चल रहा है। प्रदर्शन में रोजाना बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। मामले में पुलिस कार्रवाई को लेकर प्रदर्शनकारियों की ओर से थाना अधिकारी और जांच अधिकारी को हटाने की मांग पहले से की जा रही थी। हाल में डीजीपी के निर्देश पर एसआईटी गठित की गई थी। इसके बाद तत्कालीन थाना अधिकारी हरि सिंह राजपुरोहित को लोहावट से हटाकर पाली भेजा गया। शुक्रवार को जांच अधिकारी भवानी सिंह को भी मामले से हटा दिया गया और अब इसकी जिम्मेदारी एएसपी ब्रजराज सिंह चारण को दी गई है। पुलिस के मुताबिक मामले में सामने आए नए तथ्यों को जांच में शामिल किया जा रहा है। तीन संदिग्धों का पॉलीग्राफी टेस्ट होने और जांच अधिकारी बदलने के बाद अब पुलिस की अगली कार्रवाई पर नजर रहेगी।



मानसरोवर अग्रवाल समाज समिति की समाज सुधार एवं संस्कार कार्यशाला कल

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मानसरोवर अग्रवाल समाज समिति के तत्वावधान में समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने, उच्च नैतिक संस्कारों के प्रसार और समकालीन सामाजिक समस्याओं पर सार्थक चिंतन व समाधान के उद्देश्य से रविवार, 30 अगस्त 2026 को एक विशेष 'समाज सुधार एवं संस्कार कार्यशाला' का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन मानसरोवर अग्रवाल समाज भवन, जयपुर में प्रातः 8:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक संपन्न होगा। समिति के अनुसार, कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 8:30 बजे स्वागत एवं स्वल्पाहार के साथ होगी। इसके पश्चात प्रातः 9:00 बजे दीप प्रज्वलन और महाराजा अग्रसेन की भव्य आरती की जाएगी। मुख्य सत्र प्रातः 9:15 बजे से आरंभ होगा, जिसमें संकल्प पत्र व्याख्यान, विचार-विमर्श, खुला संवाद, सामाजिक शंकाओं का समाधान और सुझाव सत्र आयोजित होंगे।

सीकर में दो EV शोरूम में भीषण आग, 40 से ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहन जलकर राख

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सीकर। शहर के जयपुर रोड पर सर्किट हाउस के सामने शनिवार सुबह दो इलेक्ट्रिक वाहन शोरूम में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में बीएस ऑटोमोबाइल और बच्चन मोटर्स के शोरूम पूरी तरह आग की चपेट में आ गए। दोनों शोरूम में खड़ी करीब 40 इलेक्ट्रिक स्कूटी, बाइक, ऑटो और ई-रिक्शा जलकर राख हो गए। हादसे में करीब साढ़े 3 करोड़ रुपए से अधिक के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। गोकुलपुरा थाना अधिकारी राजाराम लेघा के अनुसार घटना शनिवार सुबह करीब 4 बजे की है। सबसे पहले बीएस ऑटोमोबाइल के शोरूम में आग लगी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पास स्थित बच्चन मोटर्स के शोरूम तक पहुंच गई। आग की ऊंची लपटों और धुएं के कारण आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सुरक्षा के लिहाज से पूरे क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बंद करवाई गई। इसके बाद दमकल विभाग की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। करीब ढाई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दमकलकर्मियों ने आग पर पूरी तरह काबू पाया। राहत कार्य के दौरान पुलिस ने सड़क के एक हिस्से पर वाहनों की आवाजाही भी रोक दी।

आग की लपटें पास स्थित हुंडई के ऑटो पार्ट्स शोरूम तक भी पहुंच गईं। यहां रखे स्पेयर पार्ट्स, एयर कंडीशनर सहित लाखों रुपए का सामान जल गया। हालांकि दमकलकर्मियों ने समय रहते आग को आगे फैलने से रोक लिया, जिससे आसपास की अन्य दुकानों को बड़े नुकसान से बचाया जा सका। पुलिस के अनुसार बीएस ऑटोमोबाइल में इलेक्ट्रिक स्कूटी और बाइक, जबकि बच्चन मोटर्स में इलेक्ट्रिक ऑटो और ई-रिक्शा रखे हुए थे। दोनों शोरूम में करीब 40 इलेक्ट्रिक वाहन होने की जानकारी सामने आई है। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारण जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा।



लटुरिया हनुमान मंदिर परिसर में जनसहयोग से बनेगा भव्य राम मंदिर

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भरतपुर। राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज के समीप स्थित प्रसिद्ध एवं ऐतिहासिक लटुरिया हनुमान मंदिर परिसर में जनसहयोग से करीब 50 लाख रुपए की लागत से भव्य राम मंदिर का निर्माण कराया जाएगा। मंदिर निर्माण के लिए विधिवत भूमि पूजन लटुरिया हनुमान मंदिर के महंत मनीरामदास महाराज एवं बंध बरेठा के संत स्वामी शीतलदास महाराज द्वारा मंत्रोच्चार एवं पूजा-अर्चना के साथ किया गया। विशेष बात यह रही कि मंदिर निर्माण की घोषणा एवं भूमि पूजन के प्रथम दिन ही श्रद्धालुओं एवं भक्तों के सहयोग से करीब 12.5 लाख रुपये की राशि एकत्रित हो गई। उपस्थित श्रद्धालुओं ने जनसहयोग से शीघ्र आवश्यक राशि जुटाकर मंदिर निर्माण कार्य पूरा कराने का संकल्प लिया। लटुरिया हनुमान मंदिर एक ऐतिहासिक एवं प्रसिद्ध तपोस्थली के रूप में क्षेत्रभर में अपनी विशेष पहचान रखता है। मंदिर परिसर में प्रस्तावित राम मंदिर पूर्वी राजस्थान में उत्कृष्ट स्थापत्य कला एवं धार्मिक वास्तुकला का आकर्षक उदाहरण होगा। मंदिर का निर्माण शेखावाटी स्थित प्रसिद्ध सालासर हनुमान मंदिर की स्थापत्य शैली से प्रेरित होकर किया जाएगा। मंदिर निर्माण का डिजाइन प्रसिद्ध आर्किटेक्ट अरुण गौतम के निर्देशन में यश गौतम द्वारा तैयार किया गया है। निर्माण पूर्ण होने के बाद यह भव्य राम मंदिर शहरवासियों एवं आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालुओं के लिए पूजा-अर्चना, धार्मिक आस्था एवं आध्यात्मिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा। सभी ने जनसहयोग से मंदिर निर्माण के लिए अधिक से अधिक सहयोग जुटाने तथा शीघ्र निर्माण कार्य पूर्ण कराने का विश्वास दिलाया।



बदलाव : काया कल्प में अग्रणी प्रधानाचार्य उमा हाड़ा की कोशिशों से बदल रही मौलाईपुरा स्कूल की तस्वीर

जयपुर, थिंक राजस्थान

टोंक। सरकारी स्कूलों की दुर्दशा के अफसाने अक्सर सुनने को मिल जाते हैं। किन्तु कतिपय स्कूल ऐसे भी होते हैं, जहां चन्द संस्था प्रधान और शिक्षकों की खास कोशिशों व नवाचारों की बदौलत स्कूल का काया कल्प हो जाता है। हम जो कहानी आपको बताने जा रहे हैं, वो ऐसे ही सरकारी स्कूल की दिलचस्प दास्तान है, जो आज टोंक शहर के सरकारी स्कूलों के लिए मिसाल व प्रेरणा का स्रोत बनता जा रहा है। हालांकि आम लोगों में सरकारी स्कूल के लिए आदर्श और उत्कृष्ट शब्द की प्रयुक्ति अतिश्योक्तिपूर्ण मानी जाती रही है। लेकिन मौजूदा दौर में स्कूलों की राजकीय कार्य योजनाओं से सरकारी स्कूलों के स्वरुप निरंतर बदल रहे हैं। कतिपय संस्था प्रधानों और शिक्षकों की जिद और जुनून से सरकारी स्कूलों की सूरत तेजी से बदलती जा रही है, नतीजन कुछ सरकारी स्कूल शहर भर के लिए मिसाल बनते जा रहे हैं। इस कड़ी में चर्चा है टोंक शहर के राउमावि मौलाईपुरा की, जो वहां कार्यरत क्रांतिकारी संस्था प्रधान उमा हाड़ा और शिक्षक आशाराम गुर्जर के विशेष प्रयत्नों और नवाचारों की बदौलत हर दिन विद्यालय विकास की नई इबारत लिख रहा है। मन में कुछ करने का जज्बा और जुनून हो तो कुछ भी नामुमकिन नहीं होता। ऐसा ही कर दिखाया है मौलाईपुरा की प्रधानाचार्य उमा हाड़ा और शिक्षक आशाराम गुर्जर ने। सुविधा सपन्न वातावरण, आधुनिक संसाधन, अनुशासित माहौल व खेल संसाधनों से मिसाल बना स्कूल वर्तमान में मौलाईपुरा का सरकारी स्कूल किसी भी सूरत से में निजी स्कूल से कम नहीं है। स्कूल परिसर में गार्डनिंग का कार्य निरंतर प्रगति पर है। एक साल पहले की अपेक्षा स्कूल का वातावरण बेहद शुद्ध, शांत और अनुशासित नजर आता है। हालात ऐसे बना दिए गए हैं कि स्कूली बच्चे घर से ज्यादा स्कूल में रहना पसंद कर रहे हैं। स्कूल की दीवारों पर ज्ञानवर्धक बातें लिखी गई हैं, जिससे पढ़कर अपने आप में कुछ कर गुजरने का आत्मविश्वास पैदा हो जाता है। स्कूल में बेहतर अनुशासन की दिशा में विशेष प्रयत्न किए जा रहे हैं, वहीं विद्यालय का रंग रोगन करा आकर्षक लुक प्रदान किया जा चुका है।



राजस्थान/ प्रादेशिक

मारवाड़ के 5 गांवों के राजपुरोहित समाज ने राजमहल पहुंचकर डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ को बांधी राखी

एजेंसी, थिंक राजस्थान

उदयपुर। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर उदयपुर के सिटी पैलेस (राजमहल) में करीब 300 वर्षों से रुकी हुई एक गौरवशाली और आत्मीय परंपरा को नया जीवन मिला।

मारवाड़ क्षेत्र के पांच प्रमुख गांवों—घेनड़ी, पिलोवणी, वणदार, रूंगड़ी और शिवतलाव—के राजपुरोहित समाज के प्रतिनिधियों ने राजमहल पहुंचकर मेवाड़ के 77वें श्री एकलिंग दीवान डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ और उनके परिवार को रक्षासूत्र (राखी) बांधा और सदियों पुराने ऐतिहासिक संबंधों को पुनः स्थापित किया। चूंदड़ी और राखी की 300 साल पुरानी परंपरा की पुनर्स्थापना ऐतिहासिक दस्तावेजों और जनश्रुतियों के अनुसार, प्राचीन काल में इन पांचों गांवों की बहन-बेटियां हर रक्षाबंधन पर मेवाड़ राजमहल में राखी भेजा करती थीं, जिसके प्रत्युत्तर में राजमहल की ओर से उन्हें पारंपरिक आदर और उपहार स्वरूप 'चूंदड़ी' भेजी जाती थी। समय के साथ करीब तीन शताब्दियों (300 वर्ष) से यह पावन सिलसिला बाधित हो गया था। डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ की विशेष पहल और दूरदर्शिता से इस ऐतिहासिक परंपरा को पूरी गरिमा के साथ फिर से शुरू किया गया है। डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने पांचों गांवों से पधारे राजपुरोहित समाज के प्रबुद्धजनों और प्रतिनिधियों का राजमहल में गर्मजोशी व आत्मीयता से स्वागत-सत्कार किया और रक्षाबंधन की बधाई दी। इस अवसर पर राजपुरोहित समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि यह केवल एक रस्म या औपचारिकता नहीं, बल्कि इतिहास के पन्नों में दर्ज भाई-बहन के उस अटूट स्नेह, विश्वास और परस्पर सम्मान का पुनर्जागरण है, जो मेवाड़ पूर्व राजपरिवार और उनके गांवों के बीच सदियों से चला आ रहा था। उन्होंने इस परंपरा को नई पीढ़ी के लिए सहेजने पर डॉ. लक्ष्यराज सिंह का आभार जताया। रक्षाबंधन के अवसर पर पुनर्जीवित हुई यह परंपरा मेवाड़ और मारवाड़ के बीच पुराने सामाजिक एवं पारिवारिक संबंधों की याद भी ताजा करती है। राजपुरोहित समाज के प्रतिनिधियों का राजमहल पहुंचना और रक्षासूत्र बांधना केवल पर्व मनाने की प्रक्रिया नहीं रहा, बल्कि इससे उन ऐतिहासिक रिश्तों को फिर से सार्वजनिक रूप से सम्मान मिला, जो समय के साथ धीरे-धीरे दूर होते चले गए थे।



संस्कृत केवल भाषा नहीं, भारतीय ज्ञान परंपरा की जीवन धारा : डॉ. मूलचंद

एजेंसी, थिंक राजस्थान

चूरू। राजकीय लोहिया महाविद्यालय चूरू में शनिवार को संस्कृत भाषा के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से संस्कृत दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजकीय महाविद्यालय तारानगर के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. मूलचंद ने संस्कृत भाषा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्कृत केवल भाषा नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा की जीवन धारा है। उन्होंने विद्यार्थियों को संस्कृत के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों की जानकारी भी दी। विशिष्ट अतिथि राजकीय पुत्री पाठशाला बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य अमर सिंह कस्वां ने कहा कि संस्कृत हमारी सुदृढ़ सांस्कृतिक विरासत की पहचान है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. शमशाद अली ने संस्कृत भाषा की प्राचीनता और उत्कृष्टता पर जानकारी दी। संस्कृत सप्ताह के तहत महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं गतिविधियां आयोजित की गईं।



जेल में नरेश मीणा की तबीयत बिगड़ी, सीने में दर्द के बाद टोंक से जयपुर रेफर



एजेंसी, थिंक राजस्थान

टोंक। जिला जेल में 6 अगस्त से बंद नरेश मीणा की शनिवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। सीने में दर्द की शिकायत के बाद जेल प्रशासन ने उन्हें दोपहर में टोंक जिला मुख्यालय स्थित सआदत अस्पताल में भर्ती करवाया। प्रारंभिक जांच के बाद उन्हें आईसीयू में शिफ्ट किया गया।

देर शाम चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए जयपुर रेफर कर दिया। सआदत अस्पताल में भर्ती होने के बाद प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रतीक सालोदिया ने बताया कि नरेश मीणा की ईसीजी रिपोर्ट सामान्य आई है, जबकि ब्लड सैंपल की जांच रिपोर्ट आना बाकी थी। इसके बाद उनकी स्थिति को देखते हुए जयपुर रेफर करने का निर्णय लिया गया। उन्हें भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जयपुर ले जाया गया। नरेश मीणा की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलते ही उनके समर्थक अस्पताल के बाहर जुटने लगे। समर्थकों ने जेल प्रशासन पर स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही के आरोप लगाए और नरेश मीणा को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दी शुभकामनाएं

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (X) पर प्रदेशवासियों और खिलाड़ियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

इस दौरान उन्होंने भारतीय हॉकी के महान जादूगर पद्म भूषण मेजर ध्यानचंद की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन करते हुए खेलों को युवा शक्ति के सर्वांगीण विकास का मजबूत आधार बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में डबल इंजन सरकार राजस्थान के खिलाड़ियों को तराशने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। प्रदेश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय खेल सुविधाएं, आधुनिक प्रशिक्षण और उचित प्रोत्साहन राशि उपलब्ध कराई जा रही है। सरकार के इन प्रयासों के परिणामस्वरूप राजस्थान का हर खिलाड़ी अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर राज्य और देश का मान बढ़ा रहा है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे खेलों को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाएं और एक स्वस्थ, सशक्त तथा आत्मविश्वासी राजस्थान के निर्माण में सक्रिय योगदान दें।

सियासत का सीक्रेट मिशन : जब लिस्ट से डरकर बक्से में बंद हो गए सिंबल

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जयपुर/उदयपुर। लोकतंत्र के इस सबसे बड़े और जीवंत रंगमंच पर जब चुनावी शहनाई बजती है, तो सबसे ज्यादा कंपकंपी टिकट बांटने वालों के हाथों में छूटती है।

उदयपुर से लेकर जयपुर तक इन दिनों भारतीय जनता पार्टी के खेमे में जो सन्नाटा और हड़बड़ाहट पसरी है, वह किसी सस्पेंस थ्रिलर फिल्म के क्लाइमेक्स जैसी है।

पर्दे के पीछे की कहानी यह है कि पार्टी को विपक्ष की चुनौती से कम, अपने ही 'अपनों' की बगावत से ज्यादा पसीना आ रहा है। आलम यह है कि तैयार रखी प्रत्याशियों की फेहरिस्त जेब से बाहर निकालने की हिम्मत कोई नहीं जुटा पा रहा।

जिन संभावित दावेदारों को ऊपर से 'हरी झंडी' के इशारे मिले थे, वे ढोल-नगाड़ों और मालाओं का ऑर्डर देकर बैठे थे, मगर अधिकृत सूची पर ब्रेक लगते ही उनकी मुस्कुराहटें बीच में ही फ्रीज हो गई हैं।

यानी टिकट मिले तो ठीक, वरना राजनीति में 'अग्निपरीक्षा' का नया अध्याय लिखा जाएगा।

नगर निकाय चुनाव-2026: चूरू की 11 नगरीय निकायों में 447 अभ्यर्थियों ने दाखिल किए 509 नामांकन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

चूरू। नगर निकाय आम चुनाव-2026 के तहत चूरू जिले की 11 नगरीय निकायों में वार्ड सदस्यों के चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया जारी है। शनिवार को 447 अभ्यर्थियों ने कुल 509 नामांकन पत्र दाखिल किए। इसके साथ ही अब तक जिले में 474 अभ्यर्थियों की ओर से कुल 539 नामांकन पत्र प्रस्तुत किए जा चुके हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी अर्पिता सोनी ने बताया कि शनिवार को नगर परिषद चूरू में 46 अभ्यर्थियों ने 48 नामांकन, सुजानगढ़ में 85 अभ्यर्थियों ने 96, सरदारशहर में 50 अभ्यर्थियों ने 50, बीदासर में 29 अभ्यर्थियों ने 33 और तारानगर में 9 अभ्यर्थियों ने 10 नामांकन पत्र दाखिल किए। इसी तरह साहवा और रतननगर में एक-एक अभ्यर्थी ने एक-एक नामांकन, रतनगढ़ में 84 अभ्यर्थियों ने 106, राजलदेसर में 38 अभ्यर्थियों ने 49, राजगढ़ में 75 अभ्यर्थियों ने 86 तथा छापर में 29 अभ्यर्थियों ने 29 नामांकन पत्र प्रस्तुत किए। जिले की 11 नगरीय निकायों के कुल 430 वार्डों के लिए अब तक सबसे अधिक नामांकन रतनगढ़ में 115, राजगढ़ में 93, सुजानगढ़ में 98 और चूरू नगर परिषद में 52 नामांकन पत्र दाखिल हुए हैं। सरदारशहर में अब तक 50 नामांकन पत्र प्राप्त हुए हैं। नामांकन प्रक्रिया के तहत रविवार, 30 अगस्त को सार्वजनिक अवकाश होने के कारण नामांकन पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे। अभ्यर्थी 31 अगस्त को अंतिम तिथि तक नामांकन दाखिल कर सकेंगे। एक सितंबर को नामांकन पत्रों की संवीक्षा होगी, जबकि 3 सितंबर को दोपहर 3 बजे तक अभ्यर्थिता वापस ली जा सकेगी।



राजकीय डीबी अस्पताल के बाहर सत्याग्रह की जीत, दो दौर की वार्ता के बाद सभी मांगों पर बनी सहमति

एजेंसी, थिंक राजस्थान

चूरू। राजकीय भरतिया (डीबी) अस्पताल में बुनियादी चिकित्सा सुविधाओं और व्यवस्थाओं में सुधार की मांग को लेकर चल रहा सत्याग्रह शनिवार को प्रशासन के साथ सहमति बनने के बाद समाप्त हो गया। शहीद भगत सिंह युवा क्रांतिकारी मंच एवं भगत सिंह फोर्स के संयुक्त नेतृत्व में चल रहे आंदोलन के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों और अस्पताल प्रबंधन के साथ दो दौर की वार्ता हुई। वार्ता में जांच व्यवस्था में सुधार, दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता और मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने सहित आंदोलनकारियों की प्रमुख मांगों पर सहमति बनी। इसके बाद आंदोलन समाप्त करने की घोषणा की गई। दिनेश भामासी ने कहा कि यह जीत किसी एक संगठन की नहीं, बल्कि चूरू की जागरूक जनता और उन मरीजों की है, जिन्हें अस्पताल में अव्यवस्थाओं के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने कहा कि आंदोलन का उद्देश्य केवल धरना देना नहीं, बल्कि अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार सुनिश्चित करना था। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने मांगों पर सहमति जताई है, लेकिन यदि तय समय सीमा में इन्हें धरातल पर लागू नहीं किया गया तो दोबारा आंदोलन किया जाएगा।

आंदोलन की सफलता पर कार्यकर्ताओं ने इंकलाब जिंदाबाद और शहीद भगत सिंह अमर रहे के नारे लगाए। इस दौरान मोहन झाड़सर, धर्मवीर रतनपुरा, करण सिंह फौजी, गौतम सैनी, रिछपाल प्रजापत, विकास मेहरा, राकेश बेनीवाल, रोहतास, योगेश कड़वासरा, नीतीश कड़वासरा, प्रिंस सिंयाग, विकास बैरास, महेश टमकौर सहित बड़ी संख्या में युवा एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सत्याग्रह समाप्त होने के बाद आंदोलनकारियों ने कहा कि अस्पताल में सुधार के लिए बनी सहमति की वास्तविक सफलता तभी मानी जाएगी, जब निर्धारित व्यवस्थाएं समय पर लागू होंगी। आंदोलन के दौरान मरीजों और उनके परिजनों को होने वाली परेशानियों को प्रमुखता से उठाया गया था। विशेष रूप से जांच और दवाओं से जुड़ी समस्याओं को लेकर आंदोलनकारियों ने प्रशासन और अस्पताल प्रबंधन का ध्यान आकर्षित किया।



राजस्थान में 4 सितंबर से फिर एक्टिव होगा मानसून, कई जिलों में बारिश का इंतजार

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान में मानसून की गतिविधियां कमजोर पड़ने के बीच मौसम विभाग और विशेषज्ञों ने सितंबर के पहले सप्ताह में फिर से बारिश का दौर शुरू होने की संभावना जताई है। अनुमान है कि 4-5 सितंबर से प्रदेश में मानसून दोबारा सक्रिय हो सकता है।

शुक्रवार को मानसून के आगमन के बाद पहली बार ऐसा दिन रहा, जब प्रदेश में कहीं भी बारिश दर्ज नहीं हुई। बारिश नहीं होने और तेज धूप के कारण जयपुर, टोंक, अलवर समेत करीब 15 शहरों में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस या इससे अधिक दर्ज किया गया। श्रीगंगानगर में तापमान 40 डिग्री के करीब पहुंच गया। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार सितंबर के पहले सप्ताह में बंगाल की खाड़ी में एक नया वेदर सिस्टम बनने की संभावना है।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर चूरू में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन



एजेंसी, थिंक राजस्थान

चूरू। हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस के तहत लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ खेल स्टेडियम चूरू सहित विभिन्न स्थानों पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। भारत सरकार एवं राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद जयपुर के निर्देशानुसार आयोजित प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन किया। जिला खेल अधिकारी सीताराम प्रजापत ने बताया कि 27 अगस्त को लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ खेल स्टेडियम में तीरंदाजी एवं बास्केटबॉल प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। वहीं 29 अगस्त को गाजुवास, तारानगर में हॉकी तथा चूरू खेल स्टेडियम में टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिला खेल अधिकारी ने कहा कि खेल केवल पदक और प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह स्वस्थ जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। खेलों से खिलाड़ियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और कठिन परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता विकसित होती है। मैदान में खिलाड़ी जीत-हार के साथ संघर्ष, सहयोग और चुनौतियों से आगे बढ़ने की भावना भी सीखते हैं। इस अवसर पर खेल प्रशिक्षकों एवं खेलप्रेमियों ने मेजर ध्यानचंद के खेल जीवन और देश के लिए उनके योगदान को याद किया। उन्होंने युवाओं से खेलों से जुड़ने और नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मनीष राठौड़, सुरेंद्र प्रजापत, राहुल पिपलवा (टेबल टेनिस कोच), सुनील रक्षक (तीरंदाजी कोच), अजय कुमार, नानूराम सैनी, पंकज प्रजापत, राजवीर सिंह, पहलाद बुडानिया सहित खेल विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, प्रशिक्षक एवं खिलाड़ी मौजूद रहे।



निकाय चुनाव: तीन दिन के मंथन के बाद भी भाजपा ने नहीं खोले पत्ते, 31 अगस्त को एक साथ जारी होगी सूची

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान में नगरीय निकाय चुनाव को लेकर भाजपा में प्रत्याशियों के चयन का मंथन लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा, लेकिन पार्टी ने अभी उम्मीदवारों के नाम सार्वजनिक नहीं किए हैं। भाजपा के प्रदेश चुनाव प्रभारी हरीश द्विवेदी ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में कहा कि उम्मीदवारों का चयन रविवार शाम तक पूरा कर लिया जाएगा और सभी प्रत्याशियों की सूची 31 अगस्त को एक साथ जारी की जाएगी। हरीश द्विवेदी ने कहा कि भाजपा में प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया चल रही है और पार्टी की ओर से आधिकारिक घोषणा होने के बाद ही किसी व्यक्ति को अधिकृत उम्मीदवार माना जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी ने अभी तक किसी भी दावेदार को आधिकारिक तौर पर टिकट का संकेत या आश्वासन नहीं दिया है। टिकट की उम्मीद में कुछ दावेदारों के पहले ही नामांकन दाखिल करने के सवाल पर द्विवेदी ने कहा कि चुनाव लड़ने की तैयारी करना हर दावेदार का अधिकार है, लेकिन पार्टी का अधिकृत उम्मीदवार वही होगा, जिसके नाम की घोषणा भाजपा करेगी। उन्होंने कहा कि सभी उम्मीदवारों के नाम एक साथ घोषित किए जाएंगे। भाजपा प्रदेश कार्यालय में पिछले तीन दिनों से संभागवार प्रत्याशियों के चयन को लेकर बैठकें चल रही हैं। कुछ जिलों में स्थानीय स्तर पर सहमति नहीं बनने के कारण नामों पर दोबारा मंथन किया जा रहा है। ऐसे क्षेत्रों में संगठन, स्थानीय नेताओं और दावेदारों के बीच संतुलन बनाने की चुनौती पार्टी के सामने है। द्विवेदी ने कहा कि जरूरत पड़ने पर रविवार को भी टिकट चयन को लेकर बैठकें जारी रहेंगी। उन्होंने बताया कि भाजपा निकाय चुनाव में 'ट्रिपल इंजन' सरकार के नाम पर जनता से समर्थन मांगेगी। अब सभी की नजर 31 अगस्त को जारी होने वाली भाजपा की अधिकृत प्रत्याशी सूची पर है। भाजपा में प्रत्याशियों के चयन को लेकर चल रही बैठकों में स्थानीय समीकरणों, दावेदारों की सक्रियता और संगठनात्मक स्थिति को ध्यान में रखकर नामों पर विचार किया जा रहा है। जिन क्षेत्रों में एक से अधिक मजबूत दावेदार सामने हैं, वहां पार्टी नेतृत्व के सामने सर्वसम्मति बनाने की चुनौती बनी हुई है।



भाई की याद में 7 साल से बहनों के लिए रक्षाबंधन पर फ्री ऑटो सेवा

एजेंसी, थिंक राजस्थान

चूरू। रक्षाबंधन के अवसर पर भाई-बहन के रिश्ते की भावनाओं को समर्पित एक अनूठी पहल पिछले सात वर्षों से चूरू शहर में जारी है। ऑटो चालक विनोद चंदेल अपनी दिवंगत बेटे अजय की याद में हर साल रक्षाबंधन पर बहनों के लिए निःशुल्क ऑटो सेवा उपलब्ध कराते हैं। इस वर्ष भी 28 अगस्त को पंखा सर्किल से निःशुल्क ऑटो सेवा की शुरुआत की गई। दरअसल, विनोद चंदेल की बेटियां कंचन और उषा ने अपने भाई अजय को एक दुर्घटना में खो दिया था। रक्षाबंधन के पर्व पर भाई को राखी बांधने की याद दोनों बहनों को भावुक कर देती है। भाई की कमी के इस दर्द को उन्होंने एक सकारात्मक पहल में बदलने का निर्णय लिया। दोनों बहनों ने अपने पिता विनोद चंदेल से कहा कि अजय अब उनके साथ नहीं है, लेकिन उसकी याद में रक्षाबंधन के दिन अन्य बहनों के लिए एक दिन निःशुल्क ऑटो सेवा शुरू की जाए। बेटियों की इच्छा को पिता ने स्वीकार किया और पिछले सात वर्षों से रक्षाबंधन पर बहनों को फ्री ऑटो सेवा देने का सिलसिला जारी रखा।



मनोरंजन समाचार

कुकू कोहली की प्रेयर मीट में पहुंचे विक्की-कैटरीना समेत कई सितारे, नम आंखों से अरुणा ईरानी ने दी श्रद्धांजलि

'फूल और कांटे' के डायरेक्टर फिल्ममेकर कुकू कोहली का 25 अगस्त 2026 को मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में 77 साल की उम्र में निधन हो गया। शनिवार, 29 अगस्त को उनके परिवार ने मुंबई के अंधेरी वेस्ट में सेलिब्रेशन स्पोर्ट्स क्लब में एक प्रार्थना सभा आयोजित की। इस प्रार्थना सभा में कई बॉलीवुड हस्तियां फिल्ममेकर को श्रद्धांजलि देने और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करने पहुंचीं। विक्की कौशल, कैटरीना कैफ और अरुणा ईरानी ने नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि दी। सोशल मीडिया पर प्रेयर मीट के कई वीडियो और तस्वीरें वायरल हो रही हैं, जिन्हें देखकर आपकी आंखें भी नम हो जाएंगी। कुकू कोहली की पत्नी और दिग्गज अभिनेत्री अरुणा ईरानी भी प्रार्थना सभा में पहुंचीं। उनके साथ परिवार के सदस्य भी थे, जिन्होंने उन्हें सहारा दिया और वेन्यू में एंट्री करते समय उन्हें हिम्मत दी। इस गमगीन माहौल में परिवार के सदस्य और फिल्ममेकर के करीबी लोग उन्हें याद करने और श्रद्धांजलि देने के लिए एक साथ आए। बॉलीवुड स्टार कपल विक्की कौशल और कैटरीना कैफ एक साथ प्रार्थना सभा में पहुंचे। कुकू के परिवार के सदस्यों से मिलने और श्रद्धांजलि देने के बाद उन्हें एक साथ वेन्यू से बाहर निकलते देखा गया। कपल के साथ विक्की के पिता और स्टंट डायरेक्टर शाम कौशल भी थे, जब वे वेन्यू से बाहर निकले तो पैपराजी ने उन्हें घेर लिया, लेकिन शाम ने उन्हें सुरक्षित उनकी कार तक पहुंचाया। बाद में विक्की को वहां से निकलने से पहले अपने पिता के पैर छूते हुए देखा गया। इस प्रेयर मीट में दिग्गज अभिनेत्रियां आशा पारेख, मधू और पूनम ढिल्लों के साथ-साथ जैकी श्रॉफ, अनुपम खेर और अभिनेत्री केतकी दवे जैसी अन्य हस्तियां भी शामिल हुईं। केतकी दवे अपनी मां, दिग्गज एक्ट्रेस सरिता जोशी के साथ प्रेयर मीट में शामिल होती दिखीं। अनिल कपूर, बोनी कपूर, संजय कपूर, चंकी पांडे और अन्य सेलेब्स भी इस प्रेयर मीट में नजर आए। कुकू कोहली ने 'फूल और कांटे' फिल्म से निर्देशन की दुनिया में कदम रखा था। यह फिल्म कमर्शियल रूप से सफल रही और इसी फिल्म से अजय देवगन ने भी डेब्यू किया था। इस फिल्म में मधू, अमरीश पुरी, अरुणा ईरानी और जगदीप भी अहम भूमिकाओं में थे। कूकू कोहली ने 'सुहाग', 'हकीकत', 'वो तेरा नाम था', 'अनाड़ी नंबर 1', 'ये दिल आशिकाना' जैसी कई फिल्मों का निर्देशन किया।



उनके परिवार में उनकी पत्नी अरुणा ईरानी और पहली पत्नी रीटा कोहली से हुई दो बेटियां, पूजा और करिश्मा हैं। कुकू कोहली की प्रार्थना सभा में फिल्म जगत की कई पीढ़ियों के कलाकारों का एक साथ पहुंचना उनके लंबे फिल्मी सफर और इंडस्ट्री में उनके संबंधों को दर्शाता है। सभा का माहौल बेहद भावुक रहा। परिवार के सदस्यों के साथ उनके करीबी मित्र और फिल्मी दुनिया से जुड़े लोग दिवंगत फिल्मकार को याद करते नजर आए। अरुणा ईरानी के लिए यह अवसर विशेष रूप से भावुक रहा।

बर्थडे स्पेशल: 'सूट सूट' वाले गुरु रंधावा कैसे बने पंजाबी पॉप के ग्लोबल आइकन?



'लाहौर' और 'हाई रेटेड गबरू' जैसे चार्टबस्टर के लिए मशहूर गुरु रंधावा की खास पहचान है कि उन्होंने 'सूट सूट' और 'मेड इन इंडिया' जैसे हिट गानों से पंजाबी पॉप, इंडी-पॉप और बॉलीवुड म्यूजिक को जेन-जी के बीच बेहद लोकप्रिय बनाया है। 30 अगस्त 1991 को पंजाब के गुरदासपुर जिले के नूरपुर गांव में जन्मे गुरशरणजोत सिंह रंधावा एक मध्यमवर्गीय सिख परिवार से ताल्लुक रखते थे। गुरु रंधावा का झुकाव 7 साल की उम्र से ही गायन की ओर था। बचपन में गुरदास मान, बब्बू मान और सीमा पार के दिग्गज कलाकार सज्जाद अली को सुनते हुए उनके भीतर संगीत की गहरी समझ विकसित हुई। अपनी शिक्षा को लेकर सजग रहने वाले गुरु रंधावा ने दिल्ली जाकर इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ प्लानिंग एंड मैनेजमेंट (आईआईपीएम) से एमबीए (एमबीए) की डिग्री हासिल की। इसी दौरान उन्होंने दिल्ली और गुरदासपुर में छोटी पार्टियों और समारोहों में गाना शुरू किया, जहां एक स्टेज शो के लिए उन्हें मात्र 500 रुपए पारिश्रमिक मिलता था। उनके जीवन में एक वक्त ऐसा भी था, जब उनके पास सफलता या पैसा नहीं था, तब एक लड़की ने उन्हें यह कहते हुए ठुकरा दिया था कि 'तेरे पास है क्या।' इसी दिल टूटने की घटना ने उन्हें 'बन जा तू मेरी रानी' जैसा हिट गीत लिखने के लिए प्रेरित किया। गुरु रंधावा की संगीत यात्रा की शुरुआत असफलताओं से भरी रही। साल 2012 में उन्होंने ब्रिटिश-श्रीलंकाई गायक अर्जुन के साथ मिलकर अपना पहला गाना 'सेम गर्ल' रिलीज किया, जो बुरी तरह नाकाम रहा।

बिग बॉस में एंट्री पर बोलीं रिया अहीर, शो में जाने के बाद लोगों को पता चलेगा मैं कैसी हूं



सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर और मॉडल रिया अहीर 'बिग बॉस-20' में नजर आ सकती हैं। शो में उनकी एंट्री पूरी तरह से दर्शकों के वोट पर आधारित है, जिसे लेकर रिया का कहना है कि वे उनके लिए एक तरह से इम्तिहान की तरह है। रिया अहीर का मानना है कि बिग बॉस जाने के बाद लोग अच्छी तरह से समझ सकेंगे कि वे किस तरह के इंसान हैं। उन्होंने कहा, "जब मेरे पास बिग बॉस की खबर आई थी, तो बहुत लोगों ने मुझे ट्रोल करना शुरू कर दिया था। वे कहने लगे थे कि मुझ पर फेम का असर चढ़ गया है, जिस वजह से मैंने वोटिंग का सहारा लेने का फैसला लिया।

उन्होंने बताया कि काफी लोगों ने मुझसे पूछा था कि बिग बॉस क्यों? मेरे बारे में अलग-अलग बातें हो रही थीं। उन्होंने कहा, "शुरुआत में मैं भी सोचती थी कि बिग बॉस क्यों जाना है। फिर घर में पापा से बात हुई और उन्होंने मुझसे जो कहा वह बात मेरे दिल में गई थी। उन्होंने मुझसे कहा था कि तुम इस बात पर कैसे रिएक्ट करती हो ये पूरा तुम पर निर्भर करता है। मैं तुम्हे खुद को फिर से लॉन्च करने या फिर कुछ भी करने के लिए कोई मजबूर नहीं कर रहा हूं। यह बात मेरे मन में बैठ गई थी। मुझे लगा कि लोगों को यह जानने का अच्छा मौका होगा कि मैं किस तरह की इंसान हूं। लोग कह रहे थे कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि क्या हो रहा है, तो मैं चाहती हूं कि वे मुझे वैसे देखें जैसी मैं सच में हूं। मेरी या किसी और की मत सुनो, खुद फैसला करो।" दरअसल, रिया अहीर नीट पेपर लीक और परीक्षा व्यवस्था के खिलाफ हुए छात्र विरोध प्रदर्शन के दौरान मुंबई पुलिस की वैन के सामने अकेले खड़े होने के कारण सोशल मीडिया पर चर्चा में आईं और रातों-रात वायरल हो गईं थी। आईएएनएस ने रिया से इस वायरल वीडियो के रिएक्शन के बारे में पूछा। साथ ही यह भी कहा कि क्या आपको उम्मीद थी कि लोगों की तरफ से इस तरह का प्यार मिलेगा।

इलियाना डिक्रूज ने मां को गले लगाकर दी बर्थडे की बधाई, पोस्ट में लिखा- आपके जैसा कोई नहीं



अभिनेता इलियाना डिक्रूज शनिवार को अपनी मां समीरा डिक्रूज का जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर उन्होंने मां के प्रति अपना प्यार जाहिर किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर मां के साथ तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उनकी मां अभिनेत्री को गले मिल रही हैं। अभिनेत्री ने लिखा, "मम्मी, आपके जैसा कोई नहीं है। जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।" अभिनेत्री इलियाना डिक्रूज की पोस्ट को फैंस द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। साथ ही, फैंस कमेंट सेक्शन पर अभिनेत्री की मां को जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं। इलियाना के पिता का नाम रोनाल्डो डिक्रूज है, जो पेशे से एक मैकेनिकल ड्राफ्ट्समैन या इंजीनियर हैं और वे गोवा के रहने वाले रोमन कैथोलिक ईसाई हैं।

'हजारों ख्वाहिशें ऐसी' की मासूम गीता से 'खाकी' की दबंग नेता तक, हर रंग में माहिर हैं चित्रांगदा

हिंदी सिनेमा में कुछ कलाकार ऐसे भी हैं, जिन्होंने अपनी पहली ही फिल्म से लोगों के दिलों में जगह बना ली। चित्रांगदा सिंह भी ऐसी ही अभिनेत्री हैं। पर्दे पर उनकी मौजूदगी जितनी खूबसूरत लगती है, उनके किरदारों में उतनी ही गहराई भी दिखाई देती है। कभी उन्होंने 'हजारों ख्वाहिशें ऐसी' में संवेदनशील और मासूम गीता बनकर दर्शकों का दिल जीता, तो कभी 'बाजार', 'बॉब बिस्वास' और 'गैसलाइट' जैसे प्रोजेक्ट्स में अलग-अलग रंग दिखाए। हाल के वर्षों में 'खाकीः द बंगाल चैप्टर' में एक प्रभावशाली राजनीतिक किरदार निभाकर उन्होंने फिर साबित किया कि वह सिर्फ ग्लैमर तक सीमित अभिनेत्री नहीं हैं। चित्रांगदा सिंह का जन्म 30 अगस्त 1976 को हुआ था। उनका बचपन मेरठ, कोटा और बरेली जैसे शहरों में बीता। उनके पिता सेना में अधिकारी थे, इसलिए परिवार को अलग-अलग जगहों पर रहना पड़ा। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा। धीरे-धीरे उन्हें विज्ञापनों और म्यूजिक वीडियो में काम मिलने लगा। गुलजार के म्यूजिक वीडियो 'सनसेट प्वाइंट' में नजर आने के बाद उन्होंने लोगों का ध्यान खींचा। इसके बाद उनके लिए फिल्मों का रास्ता खुला। साल 2005 में निर्देशक सुधीर मिश्रा की फिल्म 'हजारों ख्वाहिशें ऐसी' से चित्रांगदा ने बॉलीवुड में कदम रखा। फिल्म में उन्होंने गीता का किरदार निभाया था। कॉलेज की छात्रा और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में उनका किरदार बेहद संवेदनशील था। चित्रांगदा ने इसे इतनी सहजता से निभाया कि दर्शकों और आलोचकों दोनों ने उनकी तारीफ की। पहली ही फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यू का अवॉर्ड भी मिला। लेकिन बॉलीवुड में पहली फिल्म की सफलता के बाद सब कुछ आसान नहीं रहा। उनकी अगली फिल्म 'कलः यस्टरडे एंड टुमारो' उम्मीद के मुताबिक नहीं चली। इसके बाद उन्होंने कुछ समय फिल्मों से दूरी बनाई। 2008 में 'सॉरी भाई!' से वापसी की, लेकिन यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं कर पाई। इसके बाद फिर एक ब्रेक आया। फिर आया 2011, जिसने चित्रांगदा के करियर को एक नई दिशा दी। सुधीर मिश्रा की 'ये साली जिंदगी' में उन्होंने इरफान खान के साथ काम किया। क्लब सिंगर प्रीति के किरदार में उनका अंदाज काफी अलग था। इसी साल वह अक्षय कुमार के साथ 'देसी बॉयज' में भी नजर आईं। यहां उनका किरदार ग्लैमरस था और फिल्म ने उन्हें बड़े दर्शक वर्ग तक पहुंचाया। इसके बाद चित्रांगदा ने लगातार अलग-अलग तरह के किरदार आजमाए। 'इंकार' में उन्होंने महत्वाकांक्षी माया का किरदार निभाया, जबकि 'आई, मी और मैं' में वह करियर को लेकर गंभीर महिला के रूप में नजर आईं। उन्होंने खुद को किसी एक तरह के किरदार में बांधकर नहीं रखा। कभी वह स्पेशल अपीयरेंस में दिखीं, तो कभी डांस नंबर का हिस्सा बनीं। साल 2018 उनके करियर में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव लेकर आया। उन्होंने सिर्फ कैमरे के सामने अभिनय ही नहीं किया, बल्कि 'सूरमा' के जरिए निर्माता के तौर पर भी कदम रखा। भारतीय हॉकी खिलाड़ी संदीप सिंह की जिंदगी पर बनी इस स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। इसी साल वह 'साहेब, बीवी और गैंगस्टर 3' में भी नजर आईं। इसके बाद चित्रांगदा ने डिजिटल प्लेटफॉर्म का रुख किया। 2022 में वह 'मॉडर्न लव मुंबई' में नजर आईं। 2021 की फिल्म 'बॉब बिस्वास' में उन्होंने मैरी बिस्वास का किरदार निभाया। यह भूमिका भी उनके पहले के ग्लैमरस किरदारों से काफी अलग थी। 2023 में 'गैसलाइट' में उन्होंने रुक्मिणी का किरदार निभाया, जिसमें रहस्य और भावनाओं की कई परतें थीं। 2025 में आई 'खाकीः द बंगाल चैप्टर' में चित्रांगदा ने एक प्रभावशाली राजनीतिक किरदार निभाया। इस भूमिका में उनका अंदाज पहले से बिल्कुल अलग दिखाई दिया। पर्दे पर उनका आत्मविश्वास और राजनीतिक तेवर चर्चा में रहे। चित्रांगदा सिंह की अब तक की यात्रा को देखें तो उनके करियर की सबसे खास बात यही रही है कि उन्होंने खुद को किसी एक छवि तक सीमित नहीं रखा।



'टॉक्सिक' में छोटे रोल में छा गईं संजीदा शेख, बोलीं- उम्मीद नहीं थी मेरे किरदार को इतना प्यार मिलेगा



अभिनेत्री संजीदा शेख इन दिनों हालिया रिलीज फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। शनिवार को अभिनेत्री ने फिल्म में अपने किरदार को मिल रही सराहना के लिए दर्शकों का शुक्रिया अदा किया। अभिनेत्री संजीदा शेख ने इंस्टाग्राम पर फिल्म में अपने द्वारा निभाए गए किरदार की कुछ तस्वीरें और वीडियोज पोस्ट किए। इस पोस्ट के जरिए अभिनेत्री ने शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि छोटे से किरदार दर्शकों में इतना प्रभाव डालेगा। अभिनेत्री ने लिखा, "एक कलाकार के तौर अपने काम का सबसे मजेदार हिस्सा वो किरदार निभाना है, जो आपको चुनौती दें। फिल्म टॉक्सिक ने मुझे एक ऐसा अनोखा रोल निभाने का मौका दिया, जो मेरी असल जिंदगी से बहुत अलग है और शायद इसी वजह से मुझे इसे करने में बहुत मजा भी आया।" अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि फिल्म में छोटी सी मौजूदगी बड़ा प्रभाव डालेगी और दर्शकों से ढ़ेर सारा प्यार मिलेगा। उन्होंने लिखा, "बिना किसी उम्मीद के इस फिल्म में आई थी, लेकिन फिल्म में मेरी छोटी सी मौजूदगी को इतना प्यार मिलने से मैं बहुत खुश हूं। मेरे सफर में साथ देने के लिए आप सभी का दिल से शुक्रिया। मैं वादा करती हूं कि आगे भी ऐसे ही रोल करती रहूंगी जो सबको चौंकाते रहेंगे।"

भावना पानी ने संजय लीला भंसाली के साथ काम करने की इच्छा जताई, कहा- उनके जैसा कोई नहीं

अभिनेत्री भावना पानी फिल्मों और रंगमंच में खास पहचान रखती हैं। उन्होंने आईएएनएस के साथ हालिया बातचीत में बताया कि वे अपने करियर में एक बार संजय लीला भंसाली की फिल्मों में काम करना चाहती हैं। उन्होंने बताया, "संजय लीला भंसाली सर, चाहे मुझे कोई भी रोल दें, उसे आगे ले जाना मेरे ऊपर है। मैं उम्मीद करती हूं कि जब भी मुझे उनकी फिल्म में काम करने का मौका मिलेगा, तो वह शानदार, दमदार और चुनौतीपूर्ण रोल होगा। मैं यह भी उम्मीद करती हूं कि वह डांस वाला हो क्योंकि मैंने बचपन से ही भारतीय शास्त्रीय नृत्य सीखा है। मुझे लगता है कि संजय लीला भंसाली सर को शास्त्रीय संगीत और नृत्य की अच्छी समझ भी है। अभिनेत्री का मानना है कि हिंदी फिल्मों में अगर किसी निर्देशक ने भारतीय शास्त्रीय नृत्य और म्यूजिक को बड़े कैनवास पर उतारा है, तो वे संजय लीला भंसाली सर हैं। अभिनेत्री से आईएएनएस ने सवाल पूछा, "आपने यह भी कहा है कि अगर आप एक्टर या डांसर नहीं होते, तो आप एस्ट्रोनॉट बनना चाहते। एक्टिंग कल्पना और इमोशन से चलती है, जबकि एस्ट्रोफिजिक्स लॉजिक और साइंस पर आधारित है। ये अलग-अलग दुनियाएं आपकी पर्सनैलिटी में एक साथ कैसे रहती हैं?" अभिनेत्री ने जवाब देते हुए कहा, "इमोशन कभी भी बिना तर्क के नहीं आते हैं। ये आते कहां से हैं, उसका मकसद और जरूरत क्या है? यह सब समझने के लिए बहुत सारे तर्क और विज्ञान की आवश्यकता होती है। इसके लिए आपको बिहेवियरल साइंस की भी जानकारी होनी चाहिए। कई ऐसी चीजें हैं जहां आपके दिमाग का तार्किक होना बहुत जरूरी है। मुझे लगता है कि तार्किक दिमाग के साथ-साथ कल्पना और भावना की भी जरूरत होती है। वैज्ञानिक सोच होने से एक एक्टर को बहुत मदद मिलती है।" अभिनेत्री भावना पानी हाल ही में अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने 'नौकरानी रागिनी' का किरदार निभाया था। अभिनेत्री ने इस फिल्म के लोकप्रिय गाने 'ओ सुंदरी' में अपने डांस से वह काफी चर्चा में आई थीं। भावना पानी का मानना है कि अभिनय और नृत्य में उनकी रुचि ने उनके व्यक्तित्व को अलग आयाम दिया है।



सार समाचार

इक्वाडोर के पूर्व राष्ट्रपति मोरेनो भ्रष्टाचार मामले में दोषी, 5 साल की जेल



क्विटो। इक्वाडोर की एक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति लेनिन मोरेनो को देश के सबसे बड़े हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट से जुड़े रिश्वत मामले में दोषी मानते हुए पांच साल जेल की सजा सुनाई गई है। अदालत ने उन्हें भविष्य में किसी भी सार्वजनिक पद पर रहने से भी स्थायी रूप से अयोग्य करार दिया है। 73 साल के मोरेनो को चीन की सरकारी कंपनी सिनोहाइड्रो से रिश्वत लेने और हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट के ठेके से जुड़े भ्रष्टाचार नेटवर्क में प्रत्यक्ष भूमिका निभाने का दोषी पाया गया। यह मामला करीब दो अरब डॉलर की लागत से बने 'कोका कोडो सिनक्लेयर हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट' से जुड़ा है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, 2009 से 2018 के बीच फर्जी कंसल्टेंसी कॉन्ट्रैक्ट के जरिए करीब 7.61 करोड़ डॉलर की रिश्वत का लेन-देन किया गया। जांच में आरोप लगाया गया कि इस रकम को विदेशों में खातों और शेल कंपनियों के जरिए पहुंचाया गया। मोरेनो के परिवार और सहयोगियों को भी इसका लाभ मिला। यह मामला उस दौर से जुड़ा है जब मोरेनो 2007 से 2013 के बीच उपराष्ट्रपति बने थे। वह बाद में 2017 से 2021 तक इक्वाडोर के राष्ट्रपति भी रहे। मोरेनो ने पूरे मामले में अपनी संलिप्तता से इनकार किया है और आरोप लगाया कि "जांच में उन्हें निशाना बनाया गया।" मोरेनो के साथ उनकी पत्नी, बेटी, दो भाइयों और परिवार के अन्य सदस्यों को भी मामले में दोषी ठहराया गया है। उनकी पत्नी और बेटी को ढाई-ढाई साल की सजा सुनाई गई है। चीन के पूर्व राजदूत कै रुनगुओ को भी पांच साल की सजा मिली है।

कैमरे में कैद हुआ ग्लेशियर टूटने का वो खौफनाक मंजर, जिसने नेपाल में मचा दी तबाही



चीन के शिजैंग ऑटोनॉमस रीजन के गिरोंग काउंटी में एक पर्यटक पहाड़ी इलाकों की वीडियो बना रहा था। इसी दौरान उसके कैमरे में उस ऊंचाई वाले ग्लेशियर के ढहने की घटना भी रिकॉर्ड हो गई, जिसकी वजह से नेपाल-चीन बॉर्डर पर स्थित गिरोंग पोर्ट पर भयानक मडस्लाइड हुई थी। फुटेज की जांच कर रहे विशेषज्ञों का मानना है कि यह वीडियो उस आपदा की शुरुआत के बारे में अहम सबूत दे सकता है, जो 26 अगस्त को आई थी। इस आपदा ने सीमा के दोनों ओर भारी तबाही मचाई थी। नेपाल में इस आपदा में कम से कम 669 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि लापता 2,000 से ज्यादा लोगों के लिए खोज और बचाव अभियान जारी है। चीनी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, ग्लेशियर का यह हिस्सा लगभग 5,140 मीटर की ऊंचाई पर ढहा और इसने लगभग 6,20,000 वर्ग मीटर के इलाके को अपनी चपेट में ले लिया।

नेपाल के राष्ट्रपति ने की भारत की मदद की तारीफ, PM मोदी को मंत्री ने बताया 'बेहद उदार'



काठमांडू। नेपाल ने भीषण बाढ़ के बीच मदद के लिए भारत के प्रयासों की जमकर तारीफ की है। नेपाल के प्रेसिडेंट रामचंद्र पौडेल ने आपदा में मदद के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का आभार जताया है जबकि वित्त मंत्री स्वर्णिम वागले ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'बेहद उदार' बताते हुए कहा कि संकट के समय भारत की मदद काफी महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने बताया कि नई दिल्ली ने नेपाल के पुनर्निर्माण के लिए भी बड़ी सहायता देने का संकेत दिया है। नेपाल में बुधवार को नेपाल-तिब्बत सीमा के पास ग्लेशियर टूटने के बाद बर्फ और चट्टानों का बड़ा मलबा नीचे की ओर आया। इससे पानी, मिट्टी और मलबे की तेज धारा मध्य नेपाल के कई इलाकों में पहुंच गई। नेपाल में आई इस भीषण बाढ़ ने कस्बों और गांवों में भारी तबाही मचाई है। पानी के बेहद तेज बहाव में घर, वाहन, सड़कें और पुल बह गए, जबकि कई जलविद्युत परियोजनाओं को भी नुकसान पहुंचा है। इस आपदा में 600 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। करीब 2,400 लोग अब भी लापता हैं, जबकि लगभग 2,500 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रभावित इलाकों में रुक-रुककर बारिश के बीच बचाव दल लगातार लोगों की तलाश में जुटे हैं। भारत ने बुधवार से अब तक बाढ़ प्रभावित नेपाल के लिए 57.6 टन राहत सामग्री भेजी है। काठमांडू के अनुरोध के बाद भारत की ओर से 11 सदस्यों की एक टीम भी नेपाल पहुंची है। हालांकि, उन्होंने भारत की मदद को खास तौर पर रेखांकित किया।

नेपाल में हाहाकार के बीच हुआ था चमत्कार, मलबे में दबी 97 साल की महिला जिंदा निकली



काठमांडू। नेपाल में आई विनाशकारी रासुवा-भोटेकोशी फ्लैश फ्लड के बाद तबाही के बीच इंसानी जज्बे और चमत्कारिक बचाव की कई कहानियां सामने आ रही हैं। इन्हीं में सबसे चर्चित कहानी 97 वर्षीय गुना माया बोहरा की है, जिन्हें 4 घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद मलबे से जिंदा निकाला गया। कीचड़ से पूरी तरह ढकी बुजुर्ग महिला को एक JCB के स्कूप में बैठाकर सुरक्षित स्थान तक ले जाया गया। उनकी तस्वीरें अब नेपाल की इस भीषण आपदा में जिंदा बचने की असाधारण कहानियों का प्रतीक बन गई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुना माया बोहरा नाम की ये 97 वर्षीय महिला एक केयर होम के मलबे में दब गई थीं। बचावकर्मियों ने करीब 4 घंटे की मशक्कत के बाद उन्हें जिंदा बाहर निकाला। डॉक्टरों के मुताबिक, उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है और उनकी हालत में सुधार हो रहा है।

उनके परपोते दीपक ने BBC नेपाली से कहा कि बचाए जाने के बाद वह ऐसी लग रही थीं, जैसे कोई योद्धा युद्ध जीतकर वापस लौटा हो।

बता दें कि बुधवार को आई अचानक बाढ़ ने नेपाल के कई इलाकों में भारी तबाही मचाई थी। बाढ़ की वजह से बस्तियां और घर ढहने लगे तो लोगों को जान बचाने के लिए तुरंत भागना पड़ा। कई लोग सुरक्षित जगह की तलाश में पहाड़ियों की ओर चले गए। कुछ लोगों ने जंगलों में फंसे हुए रात बिताई। वे मदद का इंतजार करते रहे और बचाव दल के पहुंचने के बाद ही सुरक्षित स्थानों तक निकाले जा सके।

बाढ़ प्रभावित इलाकों से ऐसे कई लोगों की कहानियां सामने आ रही हैं, जो तेज बहाव में बहने, मलबे में दबने या कई घंटों तक दूरदराज के इलाकों में फंसे रहने के बावजूद जिंदा बच गए।\

नेपाल की राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (NDRRMA) के ताजा अपडेट के मुताबिक, रासुवा-भोटेकोशी फ्लैश फ्लड में मरने वालों की संख्या बढ़कर 675 हो गई है।

न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर पर छाईं मोहन भागवत की तस्वीरें, ममदानी ने किया था कार्यक्रम का विरोध



न्यूयॉर्क। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत की तस्वीरें न्यूयॉर्क के मशहूर टाइम्स स्क्वायर के बड़े-बड़े डिजिटल बिलबोर्ड पर दिखाई गईं। उनकी ये तस्वीरें मैडिसन स्क्वायर गार्डन यानी कि MSG में भारतीय समुदाय के लोगों को उनके संबोधन से एक दिन पहले नजर आईं। बता दें कि मोहन भागवत मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के वैश्विक संपर्क कार्यक्रम के तहत अमेरिका पहुंचे हैं। अपनी इस विदेश यात्रा के दौरान वह अमेरिका के अलावा कनाडा और ब्रिटेन भी जाएंगे।

अमेरिका दौरे के दौरान मोहन भागवत शनिवार को न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित मैडिसन स्क्वायर गार्डन में एक बड़ी सभा को संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम में करीब 5000 लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। इस कार्यक्रम का नाम 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन' यानी 'सार्वभौमिक एकता उत्सव' रखा गया है। इसका आयोजन अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग (AHEAD) की ओर से किया जा रहा है। आयोजकों ने इसे एक महत्वपूर्ण 'रक्षा बंधन समारोह' बताया है। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और मुख्य वक्तव्यों के जरिए 'सार्वभौमिक एकता' और हिंदू दर्शन के 'वसुधैव कुटुम्बकम' या पूरी दुनिया एक परिवार है के सिद्धांत पर चर्चा होगी। मैडिसन स्क्वायर गार्डन में होने वाले कार्यक्रम से पहले शुक्रवार शाम टाइम्स स्क्वायर के प्रमुख डिजिटल बिलबोर्ड में से एक पर मोहन भागवत की तस्वीरें प्रदर्शित की गईं। तस्वीरों के साथ 'Resolve, Harmony and Dialogue' यानी 'संकल्प, सद्भाव और संवाद' शब्द भी लिखे गए थे।

यूक्रेन की राजधानी कीव के पास रूस ने मचाया कोहराम! हवाई हमले में 37 लोगों की मौत



यूक्रेन की राजधानी कीव के पास बुचा जिले में रूस ने भीषण हमले किए हैं और इसमें कम से कम 37 लोगों की मौत हो गई है। लोकल रीजनल मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के चीफ टिमुर टकाचेंको के मुताबिक, इस अटैक से भीषण आग लग गई और जो कई घरों व एक रेस्तरां तक फैल गई। टिमुर टकाचेंको आगे बोले कि रूसी हमले में कम से कम 50 रिहायशी बिल्डिंग्स को नुकसान पहुंचा है। लगातार हमलों की वजह से लोग डरे हुए हैं। बता दें कि कीव में लगातार एयरस्ट्राइक का आज (शनिवार को) तीसरा दिन है। यूक्रेन-रूस युद्ध शुरू हुए साढ़े 4 साल हो चुके हैं और इन हमलों ने यूक्रेन की राजधानी कीव की इकोनॉमी को ठप कर दिया है। इस संघर्ष से आम लोगों का जीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। इससे पहले शुक्रवार को रूसी सेना ने लगातार दूसरे दिन कीव और उसके आसपास के इलाकों में ड्रोन अटैक किए थे। इस दौरान 12 से ज्यादा अपार्टमेंट इमारतों और गोदामों को टारगेट किया गया था। यूक्रेनी विदेश मंत्रालय के मुताबिक, बीते गुरुवार को कीव में काफी देर तक चले हवाई हमलों ने यूक्रेनी राजधानी को करीब 15 घंटे तक पूरी तरह से ठप कर दिया था, जिससे अर्थव्यवस्था थम गई थी। गौरतलब है कि यूक्रेन के पास रूसी बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने वाली अमेरिकी पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम की भारी कमी हो गई है। वहीं, रूस के हाई स्पीड वाले जेट इंजन से चलने वाले ड्रोन्स ने भी यूक्रेन के एयर डिफेंस के सामने एक नई चुनौती पेश की है। यूक्रेनी अफसरों का दावा है कि रूस अपना मिसाइलों का भंडार बढ़ा रहा है। हर कुछ दिनों में बड़े हमले किए जा रहे हैं ताकि बड़ी संख्या में अटैक्स करके यूक्रेन के एयर डिफेंस सिस्टम को थका दिया जाए। हालांकि, पलटवार में यूक्रेन ने भी रूस में महत्वपूर्ण ठिकानों को टारगेट बनाने का दावा किया है। कीव और आसपास के इलाकों में लगातार हो रहे हमलों ने यूक्रेन के सामने मानवीय संकट के साथ सुरक्षा व्यवस्था की बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है।

नेपाल ने विदेशी मदद कभी नहीं ठुकराया, भ्रामक प्रचार ना करें, पीएम बालेन शाह ने क्या बताया

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने कहा है कि नेपाल द्वारा विदेशी सहयोग अस्वीकार किए जाने का प्रचार भ्रामक है। शुक्रवार को फेसबुक पर स्टेटस लिखते हुए उन्होंने विदेशी सहयोग को लेकर स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने लिखा, "विदेशी सहयोग अस्वीकार किया गया है यह प्रचार भ्रामक है। भारत, चीन तथा अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ बचाव और राहत के लिए आवश्यक सहयोग एवं सामग्री के संबंध में लगातार समन्वय किया जा रहा है।" प्रधानमंत्री शाह ने यह भी बताया कि बचाव कार्यों में हेलिकॉप्टरों की तैनाती करते समय हवाई सुरक्षा, भौगोलिक पहुंच और वास्तविक आवश्यकता को ध्यान में रखा जा रहा है। उन्होंने शुक्रवार को किए गए प्रमुख कार्यों और प्रगति के बारे में 20 बिंदुओं में जानकारी भी दी। खोज एवं बचाव कार्यों में 15,431 सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। इनमें नेपाल पुलिस के 4,473, नेपाली सेना के 6,755 और सशस्त्र पुलिस बल नेपाल के 4,203 जवान रसुवा तथा भोटेकोशी-त्रिशूली कॉरिडोर सहित प्रभावित क्षेत्रों में तैनात हैं। अब तक 4,451 लोगों का बचाव किया गया है। इनमें जलविद्युत सुरंग से बचाए गए 191 लोग और शुक्रवार के हवाई बचाव अभियान में निकाले गए 517 लोग भी शामिल हैं। नेपाली सेना और निजी क्षेत्र के कुल 16 हेलिकॉप्टरों के जरिए धुंचे, त्रिशूली, टिमुरे और स्याफ्रुबेंसी सहित क्षेत्रों में लगातार शटल उड़ानें संचालित की जा रही हैं। अब तक 99 हवाई उड़ानें हो चुकी हैं। बचाव कार्य के साथ प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री भी पहुंचाई जा रही है।

PM मोदी दो दिन की यात्रा पर पहुंचे उज्बेकिस्तान, राष्ट्रपति मिर्जियोयेव ने ताशकंद में गले लगाकर किया स्वागत



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन की यात्रा पर उज्बेकिस्तान पहुंच गए हैं। यहां ताशकंद में पहुंचने पर उनका स्वागत किया गया। इस यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत करेंगे। दोनों नेता व्यापार और निवेश, रक्षा, डिजिटल कनेक्टिविटी, ऊर्जा, शिक्षा और लोगों के बीच आपसी संबंधों के क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा करेंगे और आगे की राह के लिए एजेंडा तय करेंगे। पीएम मोदी उज्बेकिस्तान की अपनी चौथी यात्रा पर ताशकंद पहुंचे। यहां एयरपोर्ट पर पहुंचते ही राष्ट्रपति मिर्जियोयेव ने पीएम मोदी का स्वागत किया। इस दौरान दोनों नेता एक-दूसरे से गले भी मिले। बता दें कि पीएम मोदी उज्बेकिस्तान और किर्गिज गणराज्य की अपनी दो देशों की यात्रा के पहले चरण में ताशकंद में हैं। इस यात्रा का मकसद मध्य एशिया में भारत की रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना और इस क्षेत्र के साथ सांस्कृतिक संबंधों को गहरा करना है। उज्बेकिस्तान पहुंचने के बाद पीएम मोदी ने यांगी उज्बेकिस्तान पार्क का दौरा किया और स्वतंत्रता स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति मिर्जियोयेव भी मोदी के साथ स्मारक पर गए। यह स्मारक देश की आजादी की 30वीं वर्षगांठ पर बनाया गया था और आजादी व अच्छाई के आदर्शों का प्रतीक है। PM मोदी ने X पर एक अन्य पोस्ट में कहा, "ताशकंद पहुंचने पर, राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के साथ यांगी उज्बेकिस्तान स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने गया। यांगी उज्बेकिस्तान स्मारक उज्बेक लोगों की आकांक्षाओं और प्रगति को दर्शाता है। यहां आकर अपनी यात्रा शुरू करने पर खुशी है।" उज्बेकिस्तान पहुंचने के बाद पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट की। उन्होंने एक्स पर लिखा, "ताशकंद पहुंचने पर राष्ट्रपति शवकत मिर्जियोयेव ने मेरा गर्मजोशी से स्वागत किया। इस खास पहल के लिए मैं उनका आभारी हूं। उज्बेकिस्तान की यह मेरी चौथी यात्रा है, जो हमारे द्विपक्षीय संबंधों की गहराई और बढ़ती गति को दर्शाती है।" उन्होंने उज्बेकिस्तान पहुंचने के बाद कई तस्वीरें भी शेयर कीं। वहीं उज्बेकिस्तान के लिए रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने एक बयान में कहा, "मैं राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के साथ व्यापार और निवेश, डिजिटल कनेक्टिविटी, रक्षा और ऊर्जा के क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने तथा 'विकसित भारत' और 'यांगी उज्बेकिस्तान' (नए उज्बेकिस्तान) के हमारे साझा विजन को आगे बढ़ाने पर चर्चा करने के लिए उत्सुक हूं।"

नेपाल बाढ़ में बहकर आया बैंक का लॉकर तो मची लूट, पुलिस भी एक्शन में

काठमांडू। नेपाल में आई बाढ़ की वजह से अब तक 600 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और ढाई हजार लोग लापता बताए जा रहे हैं। लापता लोगों में 320 भारतीयों समेत 537 विदेशी भी शामिल हैं। इस बीच एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसने सभी को हैरान कर दिया। दरअसल रसुवा में बाढ़ के सैलाब में एक बैंक का लॉकर भी बह गया। ये बैंक लॉकर धादिंग जिले के गल्छी गांवपालिका-4 स्थित बेलखूखोला के पास त्रिशूली नदी के किनारे पहुंचा तो इसमें से नकदी की लूट मच गई। हालांकि पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लिया और 29 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार लोगों से 92 लाख से ज्यादा की नकदी बरामद हुई है। आरोपियों के पास से 92 लाख 68 हजार 505 नेपाली रुपए बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार लोगों में पवन पौडे, वीरबहादुर राना मगर, विनोद गिरी, नवराज भेटुवाल, पूर्णलाल श्रेष्ठ, विष्णुमणि अधिकारी, कृष्ण मगर, शिवबहादुर राना मगर, युवराज अधिकारी,सुशान्त श्रेष्ठ, सुचिमबहादुर राना मगर, सविन श्रेष्ठ, प्रेमबहादुर राना मगर, अनिल भेटुवाल, बाकी 15 आरोपियों समेत कुल 29 लोगों को पुलिस ने नियंत्रण में लिया है। मामले में बरामद रकम के स्रोत और अन्य संभावित लोगों की संलिप्तता को लेकर जांच जारी है। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद भी अभी खतरा पूरी तरह टला नहीं है। दरअसल चीन ने नेपाल को अलर्ट किया है कि ल्हेन्डे नदी सिस्टम के ऊपरी इलाकों में बनी झील कभी भी अपने किनारों को तोड़ सकती है और जो पानी का रंग बदल रहा है, वह खतरा हो सकता है।

'मुझे लगा वह मेरी जिंदगी का आखिरी पल है', नेपाल में सैलाब से बचे शख्स ने बयां किया डरावना मंजर



नेपाल में अचानक आई भयानक बाढ़ में बचे पीड़ित दीपक तमांग ने उस दौर का बहुत ही डरावना मंजर बयां किया है, जिसमें ऊंचाई वाली जगह की तरफ भागने की होड़, नदी के पानी के घरों के ढहाने और लोगों के पानी, कीचड़ व मलबे के तेज बहाव में बहने की कहानी शामिल है। शुरू में दीपक तमांग को लगा था कि धरती हिल रही है। लेकिन फिर दीपक ने देखा कि पानी, कीचड़ और पत्थरों का सैलाब तिमुरे मार्केट में भोटेकोशी नदी के किनारे पर बने मकानों की तरफ बढ़ रहा है। तब उन्हें लगा कि ऊपर की तरफ चढ़ाई करने के अलावा अब कोई चारा नहीं है। दीपक तमांग ने बताया, "जब मैं घर से बाहर आया और ऊपर पहाड़ी की तरफ भागा, तब भयानक बाढ़ के कारण कुछ मकान पहले ही ढह चुके थे। मेरे पास तब ज्यादा ऑप्शन नहीं थे। मेरे पीछे की तरफ तेजी से बढ़ता हुआ बाढ़ का पानी था और सामने की ओर दीवार जैसी खड़ी पहाड़ी।" दीपक तमांग के मुताबिक, पहले वह ढलान की ओर भागे और उस पहाड़ी पर चढ़ने का प्रयास करने लगे, जो दीवार जैसी लग रही थी। इस दौरान, वह खुद कई बार गिर गए, लेकिन कांटेदार झाड़ियों और पौधों को पकड़कर ऊपर की तरफ बढ़ना उन्होंने जारी रखा। दीपक तमांग ने आगे कहा, "यह जीवन और मौत के बीच मेरी आखिरी रेस की तरह था। हर बार मैं जब गिरता था, तो मुझे लगता कि यह मेरे जीवन का आखिरी लमहा है।" उन्होंने ये भी बताया कि बाढ़ के पानी की चपेट में आ जाने से बचने के प्रयास में लोग अलग-अलग दिशाओं में दौड़ रहे थे। दीपक तमांग ने कहा कि आखिरकार जब वह पहाड़ी की चोटी पर पहुंचे, तो उन्होंने लोगों को बाढ़ के तेज पानी में बहते हुए देखा, जिनमें उनके दोस्त भी शामिल थे।

खेल समाचार

बल्लेबाज की चतुराई पड़ गई उसपर भारी, खेलना चाहता था अजीबोगरीब शॉट, गेंद जा लगी विकेट पर

टी20 क्रिकेट आने के बाद से बल्लेबाज काफी आक्रामक तरीके से खेलते हुए दिखते हैं जिसमें वह गेंदबाजों के खिलाफ कई बार ऐसे शॉट लगाते हैं जिनको लेकर पहले सोचा भी नहीं जाता था। ऐसे में कभी-कभी बल्लेबाजों पर उनकी चालाकी भी भारी पड़ जाती है, जिसमें ऐसा ही कुछ यूरोपियन टी20 लीग के पहले सीजन में देखने को मिला। ग्लासगो कॉस्मिक और डबलिन गार्डियंस के बीच में 29 अगस्त को खेले गए मुकाबले में ग्लासगो की तरफ से खेल रहे इंग्लैंड के धाकड़ खिलाड़ी जेसन रॉय पर उनकी चतुराई भारी पड़ गई जब वह ऑफ स्टंप के बाहर जाती गेंद को विकेट के पीछे शॉट खेलने के प्रयास में अपना विकेट गंवा बैठे, जिसमें अब उनके आउट होने का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। ग्लासगो कॉस्मिक की टीम ने डबलिन गार्डियंस के खिलाफ मैच में टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी की जिसमें ओपनिंग में उनकी तरफ से कप्तान जॉर्ज मुंसी और जेसन रॉय की जोड़ी मैदान पर उतरी। रॉय ने एक छोर से अपने चिर-परिचित अंदाज में बल्लेबाजी शुरू की जिसमें वह 36 गेंदों में ही 60 रन बना चुके थे। यह उनकी टूर्नामेंट में पहली जीत भी थी, जिसमें पहले मुकाबले में उनको हार का सामना करना पड़ा था।

बल्लेबाज की चतुराई पड़ गई उसपर भारी, खेलना चाहता था अजीबोगरीब शॉट



टी20 क्रिकेट आने के बाद से बल्लेबाज काफी आक्रामक तरीके से खेलते हुए दिखते हैं जिसमें वह गेंदबाजों के खिलाफ कई बार ऐसे शॉट लगाते हैं जिनको लेकर पहले सोचा भी नहीं जाता था। ऐसे में कभी-कभी बल्लेबाजों पर उनकी चालाकी भी भारी पड़ जाती है, जिसमें ऐसा ही कुछ यूरोपियन टी20 लीग के पहले सीजन में देखने को मिला। ग्लासगो कॉस्मिक और डबलिन गार्डियंस के बीच में 29 अगस्त को खेले गए मुकाबले में ग्लासगो की तरफ से खेल रहे इंग्लैंड के धाकड़ खिलाड़ी जेसन रॉय पर उनकी चतुराई भारी पड़ गई जब वह ऑफ स्टंप के बाहर जाती गेंद को विकेट के पीछे शॉट खेलने के प्रयास में अपना विकेट गंवा बैठे, जिसमें अब उनके आउट होने का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। ग्लासगो कॉस्मिक की टीम ने डबलिन गार्डियंस के खिलाफ मैच में टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी की जिसमें ओपनिंग में उनकी तरफ से कप्तान जॉर्ज मुंसी और जेसन रॉय की जोड़ी मैदान पर उतरी। रॉय ने एक छोर से अपने चिर-परिचित अंदाज में बल्लेबाजी शुरू की जिसमें वह 36 गेंदों में ही 60 रन बना चुके थे। जेसन रॉय ने अपनी 37 गेंदों में 60 रनों की पारी में कुल 8 चौके और एक छक्का लगाया वहीं ग्लासगो कॉस्मिक ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर्स में 5 विकेट के नुकसान पर 183 रन बनाए।

टीम इंडिया के हेड कोच ने हैंडशेक के सवाल पर दिया करारा जवाब, कहा - जब पाकिस्तान से मैच होगा तब इस पर बात की जाएगी



दुबई में चल रहे महिला टी20 एशिया कप में भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला थाईलैंड महिला टीम के खिलाफ 30 अगस्त को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेलेगी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम जो टी20 वर्ल्ड कप 2026 में उम्मीदों के अनुसार प्रदर्शन करने में कामयाब नहीं हुई थी, उसके लिए यह टूर्नामेंट काफी अहम रहने वाला है। टीम इंडिया जो एशिया कप में ग्रुप-ए का हिस्सा है उसका सामना पाकिस्तानी महिला टीम से भी होगा जिसमें 5 सितंबर को भारत और पाकिस्तान की महिला टीम के बीच में मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच को लेकर सभी फैंस काफी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिसमें टीम इंडिया के खिलाड़ी पाकिस्तानी प्लेयर्स से हाथ मिलाएंगे या नहीं इसको लेकर भी सभी की नजरें हैं और इस सवाल को लेकर भारतीय महिला टीम के हेड कोच अमोल मजूमदार का जवाब भी सामने आया है। भारतीय महिला टीम के थाईलैंड के खिलाफ टी20 एशिया कप के पहले मुकाबले के दिए पहले हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में आए हेड कोच अमोल मजूमदार ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले एशिया कप मैच में हैंडशेक को लेकर समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार पूछे गए सवाल को लेकर जवाब देते हुए कहा कि मैदान के बाहर की चीजों पर खिलाड़ी ध्यान नहीं दे रहे हैं। अभी उनका पूरा ध्यान 30 अगस्त को थाईलैंड महिला टीम के खिलाफ होने वाले मुकाबले पर है और जब भारत-पाकिस्तान मैच आएगा, तब उसके बारे में बात की जाएगी। वहीं हेड कोच ने टीम की हालिया फॉर्म को लेकर कहा कि यह युवा टीम है और इसमें सुधार की काफी गुंजाइश है। हम अच्छा और आक्रामक क्रिकेट खेलने की कोशिश कर रहे हैं। अब हमारा लक्ष्य अगले छह महीनों के लिए सही शुरुआत करना है। बता दें कि टीम इंडिया ने इस साल अब तक खेले 16 टी20 इंटरनेशनल मैचों में से 9 में हार का सामना किया है। महिला टी20 एशिया कप की तैयारियों को लेकर टीम इंडिया के हेड कोच ने कहा कि यहां की पिच और मौसम को देखते हुए स्पिनर्स की भूमिका काफी अहम रहने वाली है, जिसमें हमारे पास अलग-अलग तरह के स्पिनर स्क्वाड में मौजूद हैं और हम इसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। वहीं टीम इंडिया जेमिमा रोड्रिग्स के बिना खेलने गई है जिसको लेकर अमोल मजूमदार ने कहा कि हमें उनकी कमी खलेगी क्योंकि वह हमारी अहम खिलाड़ी हैं। अभी जेमिमा बेंगलुरु स्थित COE में चोट से उबरने पर पूरा ध्यान दे रही हैं। एशिया कप में भारतीय महिला टीम के सामने अब नई शुरुआत करने की चुनौती है। हाल के मुकाबलों में टीम के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी देखने को मिली है, ऐसे में दुबई की परिस्थितियों में खिलाड़ियों के लिए शुरुआती मुकाबला आत्मविश्वास हासिल करने का अच्छा अवसर होगा। टीम प्रबंधन की कोशिश होगी कि टूर्नामेंट की शुरुआत जीत के साथ हो और आगे के महत्वपूर्ण मुकाबलों के लिए लय तैयार की जा सके। मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने साफ किया है कि टीम का ध्यान फिलहाल मैदान के बाहर की चर्चाओं के बजाय क्रिकेट पर है। भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले को लेकर हाथ मिलाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि अभी टीम का पूरा ध्यान थाईलैंड के खिलाफ होने वाले पहले मैच पर है।

इमरान खान के बेटों के इंटरव्यू के बाद अब जावेद मियांदाद ने उठाई आवाज, कहा - वह एक ईमानदार इंसान हैं



पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स के मैदान पर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जा रहा है, जिसके पहले दिन के खेल में जब लंच सेशन के दौरान पाकिस्तानी टीम के पूर्व कप्तान और जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटों कासिम और सुलेमान का इंटरव्यू ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर स्काई स्पोर्ट्स ने चलाया था।

इसके बाद से पाकिस्तान में काफी बवाल देखने को मिला तो वहीं पीसीबी ने इस इंटरव्यू के प्रसारण को रोकने का भी काफी प्रयास किया था, जिसमें उन्होंने लॉर्ड्स टेस्ट के बीच नहीं खेलने की गीदड़भभकी भी दी थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वहीं अब पहली बार पाकिस्तान टीम के पूर्व खिलाड़ी और इमरान खान के साथ खेलने वाले जावेद मियांदाद का बयान भी बयान भी सामने आया है जिन्होंने अपने पूर्व कप्तान को ईमानदार बताने के साथ उन्हें जेल से जल्द रिहा करने की मांग उठाई है। पाकिस्तानी टीम के पूर्व खिलाड़ी और दिग्गज बल्लेबाजों में शामिल किए जाने वाले जावेद मियांदाद ने जेल में बंद पूर्व कप्तान इमरान खान की रिहाई की अपील करते हुए कहा कि वह ईमानदार व्यक्ति हैं और किसी तरह के भ्रष्टाचार में शामिल नहीं रहे हैं।

मियांदाद ने इमरान के जिक्र पर भावुक होते हुए कहा कि उनके लिए यह समझना मुश्किल है कि उनके पूर्व कप्तान अब तक जेल में क्यों हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार जावेद मियांदाद ने नैरेटिव यू-ट्यूब चैनल पर दिए इंटरव्यू में इमरान खान को लेकर कहा कि वह एक ईमानदार इंसान हैं। वह भ्रष्ट आचरण में शामिल होने वाले व्यक्ति नहीं हैं। अगर ऐसा होता तो उन्होंने बहुत कुछ किया होता।

अगर आप उन्हें बाहर आने देंगे तो क्या होगा? क्या वह किसी को नुकसान पहुंचाएंगे? वह भी किसी के बेटे हैं। मैं हमेशा सोचता हूं कि वह इस समय क्या कर रहे होंगे। रावलपिंडी की अदियाला जेल में साल 2023 से बंद इमरान खान को हाल में ही डॉक्टरी जांच के लिए इस्लामाबाद लाया गया था तो वहीं उनकी जांच के तरीके को लेकर भी काफी सवाल उठाए गए थे।

वैभव सूर्यवंशी ने दलीप ट्रॉफी में 2 विकेट लेने के बाद किया बड़ा खुलासा



दलीप ट्रॉफी का पहला क्वार्टर फाइनल मैच ईस्ट जोन और नॉर्थ ईस्ट जोन के बीच खेला गया। इस मैच में ईशान किशन की कप्तानी वाली ईस्ट जोन ने नॉर्थ ईस्ट जोन को पारी और 210 रनों से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की। इस मैच में ईस्ट जोन के उपकप्तान वैभव सूर्यवंशी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं कर पाए लेकिन उन्होंने गेंदबाजी में दो विकेट लेकर टीम की जीत में अहम योगदान दिया। इस बीच मैच खत्म होने के बाद वैभव ने अपनी बॉलिंग को लेकर बात की और बताया कि किस रणनीति के साथ उन्होंने दो अहम विकेट हासिल किए। वैभव सूर्यवंशी को लेकर BCCI ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में वैभव ने बताया कि इस मैच में एक वक्त विपक्षी टीम का विकेट नहीं गिर रहा था, ऐसे में उन्हें 2-3 ओवर गेंदबाजी करने के लिए कहा गया। ईशान भैया को ऐसा लगा कि वो मुझे बॉलिंग देकर रिस्क ले रहे हैं लेकिन उनको नहीं पता था कि मैं विकेट टेकर हूं।

मेरे दिमाग में उस वक्त एक ही बात चल रही थी कि अगर मैं पांच विकेट भी लूंगा तो भी मुझे 3 ही ओवर मिलेगा।

इसलिए मुझे इस 3 ओवर में सही लाइन लेंथ के साथ अच्छी गेंदबाजी करनी है। 15 साल के खिलाड़ी ने आगे कहा कि गेंदबाजी में विकेट लेकर काफी मजा आया क्योंकि इस मैच में बल्लेबाजी में मेरा प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा था।

तो बॉलिंग में टीम के लिए योगदान देकर काफी अच्छा लगा। अगर एक बैटर को विकेट मिलता है तो उसकी खुशी अलग ही होती है। उन्होंने आगे कहा कि किसी भी बैट्समैन को पूछोगे तो उसको बॉलिंग करने में मजा आता है और इसी तरह से गेंदबाजों को भी बैटिंग करने में अच्छा लगता है। दोनों को उतना ही मजा आता है। दलीप ट्रॉफी 2026 का सेमीफाइनल 30 अगस्त से बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेला जाएगा।

दलीप ट्रॉफी 2026 में नॉर्थ जोन के स्क्वाड में सेमीफाइनल मैच से पहले हुआ बदलाव

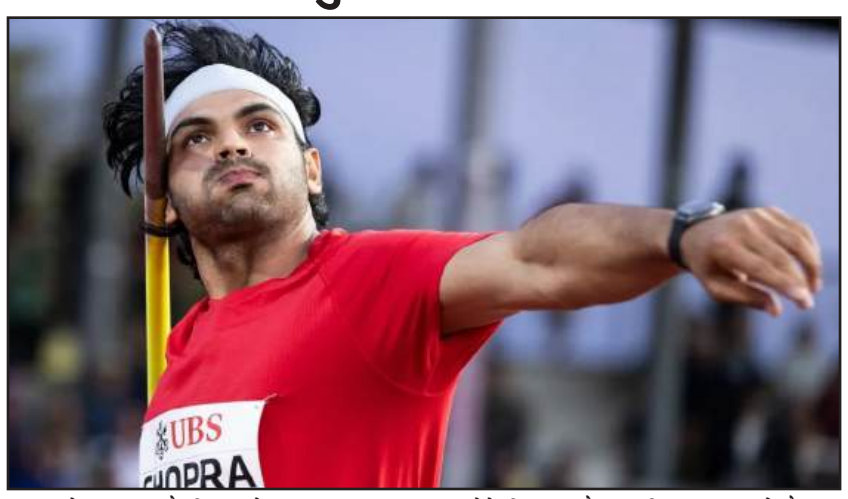
भारतीय घरेलू क्रिकेट के प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में से एक दलीप ट्रॉफी के मौजूदा सीजन के दोनों सेमीफाइनल मुकाबलों की शुरुआत 30 अगस्त से होगी, जिसमें पहला सेमीफाइनल मैच सेंट्रल जोन और ईस्ट जोन की टीम के बीच में खेला जाएगा तो वहीं दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला नॉर्थ जोन और साउथ जोन की टीम के बीच में होगा। भारतीय टीम का श्रीलंका दौरा खत्म होने के बाद सभी खिलाड़ी वापस देश लौट आए हैं, जिसमें एक नाम तेज गेंदबाज गुरनूर बरार का भी शामिल है जिनको दलीप ट्रॉफी 2026 के सेमीफाइनल मुकाबले के लिए बीसीसीआई ने नॉर्थ जोन के स्क्वाड का हिस्सा बनाया है। श्रीलंका के दौरे पर गुरनूर टीम इंडिया के स्क्वाड का हिस्सा तो थे लेकिन उनको दोनों ही टेस्ट मुकाबलों में खेलने का मौका नहीं मिला। ऐसे में अब उनके पास दलीप ट्रॉफी के मुकाबले में खुद को साबित करने का शानदार मौका रहने वाला है। टीम इंडिया को अब अपनी अगली टेस्ट सीरीज न्यूजीलैंड के दौरे पर खेलनी है जहां के हालात तेज गेंदबाजों के लिए काफी माकूल रहते हैं। ऐसे में उससे पहले बीसीसीआई कई तेज गेंदबाजों के प्रदर्शन पर अपनी नजरें बनाए हुए है, जिसमें एक नाम गुरनूर बरार का भी शामिल है।

कप्तानी से हटाए जाने के बाद सूर्यकुमार यादव का छलका दर्द



भारत को टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब दिलाने वाले कप्तान सूर्यकुमार यादव को टूर्नामेंट के तुरंत बाद टीम से बाहर कर दिया गया। उस वक्त सेलेक्टर्स का ये फैसला सूर्या के लिए किसी झटके से कम नहीं था। सूर्यकुमार यादव ने जुलाई 2024 में टीम इंडिया की टी20 कप्तानी संभाली थी। उसके बाद से उनकी कप्तानी में भारतीय टीम एक भी टी20 सीरीज नहीं हारी थी और टीम ने एशिया कप के साथ-साथ टी20 वर्ल्ड कप का खिताब भी जीता था। लेकिन इसके बावजूद सेलेक्टर्स ने इंग्लैंड और आयरलैंड के दौरे के लिए सूर्यकुमार की जगह श्रेयस अय्यर को टीम का नया कप्तान नियुक्त किया। सूर्यकुमार यादव ने टीम से ड्रॉप किए जाने के बाद पहली बार चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने बताया है कि जब उन्हें टीम से बाहर किया गया, तो शुरुआत में तो उन्होंने इस बात को मानने की कोशिश की। लेकिन धीरे-धीरे उनके मन में एक ही सवाल घूमने लगा कि आखिर उनके साथ ऐसा कैसे हो सकता है और यह बात मुमकिन कैसे है? सूर्यकुमार ने पूर्व भारतीय बल्लेबाज आकाश चोपड़ा के साथ बातचीत में कहा कि जब टीम की घोषणा हुई और उनका नाम उसमें नहीं था, तो उनकी पहली प्रतिक्रिया मुस्कुराने की थी। उन्होंने कहा कि दबाव या मुश्किल हालात में भी वह मुस्कुराकर खुद को शांत रखने की कोशिश करते हैं। सूर्यकुमार ने कहा कि मैं थोड़ा निराश था। क्योंकि आप दो साल में एक भी सीरीज नहीं हारे। आपने वर्ल्ड कप और एशिया कप जीता। फिर आप चाहते हैं कि वही चीज आगे भी जारी रहे। जब सब कुछ अच्छा चल रहा था तो बदलाव क्यों? बदलाव की वजह क्या थी? यही मेरे दिमाग में चलता रहता था। उन्होंने बताया कि टीम से बाहर किए जाने के बाद वह करीब डेढ़ महीने तक घर पर रहे और इसी सवाल पर सोचते रहे।

नीरज चोपड़ा एशियन गेम्स से हुए बाहर, चोट की वजह से बचे हुए सीजन में नहीं लेंगे हिस्सा



भारत के स्टार जैवलिन थ्रो खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने चोट की वजह से इस साल के बाकी बचे सभी मैचों से नाम वापस ले लिया है। वे अगले महीने होने वाले डायमंड लीग फाइनल्स और एशियन गेम्स में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। एशियन गेम्स में उनसे गोल्ड मेडल की बड़ी उम्मीद थी, इसलिए उनका बाहर होना भारतीय खेल प्रेमियों के लिए एक बड़ा झटका है। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए इस खबर की जानकारी दी है। नीरज ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर एशियन गेम्स से बाहर होने की बात कही है। चोपड़ा ने कन्फर्म किया कि चोट के कारण उन्हें और उनकी टीम को अपना सीजन यहीं खत्म करना पड़ा। उन्होंने लिखा कि दुर्भाग्य से इसके कुछ समय बाद ही ट्रेनिंग के दौरान मेरे टखने में लिगामेंट फट गया। अपने डॉक्टर और टीम से बातचीत के बाद, हमने तय किया है कि मैं इस सीजन के बाकी इवेंट्स में हिस्सा नहीं लूंगा।

नीरज चोपड़ा ने शुक्रवार को ही बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर डायमंड लीग फाइनल्स में अपनी जगह बनाई थी और उनके नाम के आगे क्वालिफाई होने का 'Q' मार्क भी लग गया था। ज्यूरिख में हुए मैच में न खेलने के बावजूद वे फाइनल्स की रेस में आगे रहे। लेकिन फाइनल में जगह बनाने के अगले ही दिन उन्होंने बाकी बचे सभी टूर्नामेंट्स से हटने का फैसला किया। उनका ये फैसला फैंस के लिए चौंकाने वाला रहा। इस साल नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग के दोहा और लुसाने मुकाबलों में खेलकर कुल 12 पॉइंट्स कमाए थे। स्विट्जरलैंड के लुसाने में हुए मैच में उन्होंने इस सीजन का अपना सबसे बेहतरीन 88.05 मीटर का थ्रो फेंका, फिर भी वे महज 9 सेंटीमीटर के अंतर से पहले नंबर पर आने से चूक गए और दूसरे स्थान पर रहे। इससे पहले 2026 में उन्होंने दोहा डायमंड लीग (चौथा स्थान) और कॉमनवेल्थ गेम्स (दूसरा स्थान) में भाग लिया था। दोनों टूर्नामेंट में वे 86 मीटर की दूरी भी तय नहीं कर पाए थे।

इंटरनेशनल क्रिकेट में टूटा 94 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड, यह खिलाड़ी बनी 5 विकेट हॉल लेने वाली सबसे उम्रदराज प्लेयर



इंटरनेशनल क्रिकेट में एक तरफ जहां कई युवा खिलाड़ी वर्ल्ड रिकॉर्ड को लगातार चकनाचूर करते हुए नजर आ रहे हैं, तो वहीं एक लाख से कम आबादी वाले देश आइल ऑफ मैन की महिला क्रिकेट खिलाड़ी जोआन हिक्स ने 51 साल उम्र में एक ऐसा कारनामा किया है, जिसके दम पर वह 94 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ने में कामयाब हो गई।

जोआन हिक्स अब इंटरनेशनल क्रिकेट में महिला और पुरुष दोनों में किसी मुकाबले में 5 विकेट हॉल लेने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गई हैं। जोआन हिक्स ने इस मामले में ऑस्ट्रेलिया के बर्ट आयरनमोंगर जिनके नाम पहले यह रिकॉर्ड था उसको तोड़ने में कामयाब हो गई हैं। आइल ऑफ मैन की महिला खिलाड़ी जोआन हिक्स को लेकर बात की जाए तो उन्होंने 47 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था, जिसके बाद अब 51 साल 173 दिन की उम्र में वह इतिहास रचने में कामयाब रही हैं। बता दें कि हिक्स महिला और पुरुष दोनों ही फॉर्मेट में 50 या उससे अधिक उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में 5 विकेट हॉल लेने वाली पहली खिलाड़ी भी बन गई हैं।

क्या नींद की कमी से बढ़ा सकता है हाइपरटेंशन का खतरा? जानिए क्या कहते हैं डॉक्टर



आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में देर रात तक मोबाइल चलाना या काम करना लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बन गया है। इसका सबसे बड़ा असर हमारी नींद पर पड़ता है। कई लोग यह सोचते हैं कि 5-6 घंटे की नींद काफी है, लेकिन ऐसा नहीं है। इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अमेय अमोनकर ने अपने यू ट्यूब पर वीडियो शेयर कर यह बताया है कि लगातार कम नींद लेना हाई ब्लड प्रेशर यानी हाइपरटेंशन के खतरे को बढ़ा सकता है। डॉ. अमोनकर बताते हैं कि जब हम गहरी नींद में होते हैं, तो शरीर रेस्ट मोड में चला जाता है। इस दौरान दिमाग की गतिविधि धीमी हो जाती है, हार्ट रेट कम होने लगता है और रक्त वाहिकाएं रिलैक्स हो जाती हैं।

इससे दिल पर दबाव कम पड़ता है और ब्लड प्रेशर नीचे आने लगता है। अगर आप रोजाना अच्छी नींद नहीं लेते हैं, तो शरीर लगातार अलर्ट मोड में बना रहता है। इससे स्ट्रेस हार्मोन कॉर्टिसोल का स्तर बढ़ जाता है, हार्ट रेट सामान्य से अधिक रहता है और सिम्पैथेटिक नर्वस सिस्टम लगातार सक्रिय रहता है। इसका असर ब्लड प्रेशर पर पड़ता है और समय के साथ हाइपरटेंशन का खतरा बढ़ सकता है। डॉ. अमोनकर के अनुसार, जो लोग नियमित रूप से 6 घंटे से कम सोते हैं, उनमें हाई ब्लड प्रेशर होने का खतरा 30 से 40 प्रतिशत तक हो सकता है।

उनका कहना है कि यदि नर्वस सिस्टम को पर्याप्त आराम नहीं मिलता, तो केवल अच्छी डाइट से समस्या पूरी तरह नियंत्रित नहीं होती। कई मामलों में ब्लड प्रेशर की दवाओं का असर भी सीमित हो सकता है और अगली सुबह बीपी सामान्य से अधिक रह सकता है। पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण नींद शरीर को रिकवर होने का समय देती है। इससे हार्ट रेट सामान्य रहता है, रक्त वाहिकाएं रिलैक्स होती हैं, तनाव कम होता है और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में मदद मिलती है। इसलिए हृदय को स्वस्थ रखने के लिए हर रात 8 से 9 घंटे की अच्छी नींद लेना जरूरी है। नींद की कमी का असर केवल थकान और चिड़चिड़ेपन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि लंबे समय में शरीर की कई महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं को प्रभावित कर सकता है। रात में देर तक जागने की आदत लगातार बनी रहे तो शरीर को पर्याप्त आराम और पुनः स्वस्थ होने का समय नहीं मिल पाता।

पीडियाट्रिशियन ने बताया नवजात शिशु को कब देना चाहिए पानी? यहां जान लें पेरेंट्स



घर में नन्हे मेहमान का आना किसी भी माता-पिता के लिए जीवन का सबसे सुखद और भावुक अनुभव होता है। हालांकि, इस अपार खुशी के साथ-साथ ढेरों नई जिम्मेदारियां भी आती हैं। नवजात शिशु बेहद नाजुक होते हैं, इसलिए उनके खानपान और देखभाल को लेकर माता-पिता का चिंतित होना पूरी तरह से स्वाभाविक है। जन्म से लेकर छह महीने तक शिशु के लिए केवल मां का दूध ही संपूर्ण आहार होता है। मां के दूध में सभी जरूरी पोषक तत्व और एंटीबॉडीज मौजूद होते हैं, जो बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं और उसे बीमारियों से बचाते हैं। लेकिन एक सवाल जो हर नए पेरेंट्स के मन में रहता है वो है कि बच्चे को पानी कब से देना चाहिए। ऐसे में मशहूर पीडियाट्रिशियन डॉ रवि मलिक ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर बताया है कि किस उम्र में शिशु को पानी देना चाहिए। डॉ. रवि मलिक साफ तौर पर बताते हैं कि जन्म से लेकर 6 महीने तक के शिशु को पानी की एक बूंद की भी आवश्यकता नहीं होती है। 6 महीने तक के बच्चे को सिर्फ और सिर्फ मां का दूध ही दिया जाना चाहिए। इस दौरान बच्चे को दूध के अलावा पानी या कोई अन्य तरल पदार्थ बिल्कुल नहीं देना चाहिए। यदि किसी कारणवश बच्चा फॉर्मूला मिल्क भी पी रहा है, तो उसे बनाते समय उसमें पानी का सही अनुपात पहले से मिलाया जाता है, इसलिए ऊपर से अलग से पानी देने की कोई जरूरत नहीं होती।

दूध में ही मौजूद है पर्याप्त पानीः मां के दूध में लगभग 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा पानी ही होता है। यह नेचुरली बच्चे की प्यास बुझाने और उसे पूरी तरह हाइड्रेटेड रखने के लिए काफी है।

इंफेक्शन का खतराः नवजात शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत कमजोर होती है। बाहरी पानी में मौजूद सूक्ष्म बैक्टीरिया बच्चे में डायरिया, पीलिया या पेट के गंभीर इंफेक्शन का कारण बन सकते हैं।

वाटर इंटॉक्सिकेशनः यह एक बेहद खतरनाक स्थिति है। 6 महीने से छोटे बच्चों की किडनी पूरी तरह विकसित नहीं होती। ज्यादा पानी पीने से शिशु के शरीर में सोडियम का स्तर तेजी से गिर सकता है, जो दौरे पड़ने का कारण बन सकता है। छह महीने के बाद शिशु के आहार में धीरे-धीरे ठोस और अर्धठोस खाद्य पदार्थ शामिल किए जाने लगते हैं।

मॉनसून फीवर के बाद कमज़ोरी नहीं हो रही दूर?

हर साल मानसून के मौसम में डेंगू, चिकनगुनिया, टाइफाइड और वायरल बुखार के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिलती है। अच्छी बात यह है कि ज्यादातर मरीज बुखार से जल्द ठीक हो जाते हैं लेकिन कमजोर लंबे समय तक बनी रहती है। ऐसे में लोगों को समझ नहीं आता कि इस कमजोरी से कैसे छुटकारा पाया जाए। बुखार के बाद शरीर थका हुआ लगता है। ऐसे में डॉ. जे. कीर्तना, एसोसिएट कंसल्टेंट, संक्रामक रोग, फोर्टिस अस्पताल, शालीमार बाग ने 5 असरदार टिप्स के बारे में बताया है जिससे आपको रिकवरी में मदद मिल सकती है। बुखार ठीक होने के बाद कमजोरी महसूस होने को पोस्ट इंफेक्शियस फैटीग कहा जाता है और मानसून की कई बीमारियों के बाद इसके होने के प्रमाण मिले हैं। कई मरीजों में ऐसा देखने को मिला है कि बीमारी से ठीक होने के बाद कई हफ्तों और कभी कभी महीनों तक थकान, कमजोरी या सोचने समझने में परेशानी महसूस होती है। PIF को अब सिर्फ थकान के रूप में नहीं देखा जाता, बल्कि इसे संक्रमण फैलाने वाले जर्म्स और शरीर के बीच इम्यून रिस्पॉस के रूप में देखा जा रहा है। हर इंसान का शरीर एक ही बीमारी पर अलग तरह से प्रतिक्रिया करता है। कई बार जेनेटिक कारणों की वजह से भी ऐसा हो सकता है। आपके माता-पिता या खानदान से आपको कैसे जीन (DNA) मिले हैं। अगर आपके परिवार में किसी खास बीमारी की प्रवृत्ति रही है, तो आपका शरीर भी उसके प्रति अधिक संवेदनशील या कमजोर हो सकता है। बीमार होने के बाद बुखार उतरते ही शरीर पूरी तरह ठीक नहीं हो जाता। भले ही आपकी ब्लड रिपोर्ट नॉर्मल आ गई हो, फिर भी कमजोरी, मांसपेशियों में दर्द और थकावट महसूस होना बिल्कुल स्वाभाविक है। इसके पीछे दो मुख्य कारण हैं।

सर्दी-जुकाम समझकर न करें अनदेखा, हो सकता है एच1एन1 का संकेत, जानें बचाव के तरीके



बदलते मौसम के साथ सर्दी-जुकाम, खांसी और बुखार जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। इन्हीं में से एक है इन्फ्लुएंजा ए (एच1एन1)। स्वस्थ वयस्कों में यह संक्रमण ज्यादातर मामलों में अपने आप ठीक होने वाला होता है। हालांकि, इसके लक्षणों को नजरअंदाज करना ठीक नहीं है, खासकर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से किसी स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे लोगों को ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत होती है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि एच1एन1 होने पर सबसे आम लक्षणों में बुखार, खांसी, गले में खराश, नाक बहना, सिरदर्द, शरीर या मांसपेशियों में दर्द और थकान शामिल हैं। कुछ लोगों को मतली, उल्टी या दस्त जैसी परेशानी भी हो सकती है। हर व्यक्ति में सभी लक्षण दिखाई दें, यह जरूरी नहीं है। कई बार शुरुआत में सामान्य फ्लू या वायरल जैसा ही महसूस होता है। ऐसे में शरीर के संकेतों पर ध्यान देना जरूरी है। अगर बुखार या खांसी के साथ शरीर में काफी दर्द और कमजोरी महसूस हो रही है, तो पर्याप्त आराम करें और खुद को हाइड्रेट रखें। पानी, सूप या अन्य उपयुक्त तरल पदार्थ लेते रहें, ताकि शरीर में पानी की कमी न हो। आराम करने से शरीर को संक्रमण से लड़ने में मदद मिलती है। एच1एन1 जैसे श्वसन संक्रमण से बचाव के लिए रोजमर्रा की कुछ छोटी-छोटी आदतें काफी महत्वपूर्ण हैं। हाथों को नियमित रूप से साबुन और पानी से धोएं। खांसते या छींकते समय मुंह और नाक को ढकें। इस्तेमाल किए गए टिश्यू को उचित तरीके से फेंकें और हाथ साफ करें। अगर आप अस्वस्थ महसूस कर रहे हैं, तो घर पर रहें और दूसरों के संपर्क में आने से बचें। इससे संक्रमण के फैलने की संभावना कम करने में मदद मिलती है। बीमारी के दौरान अपनी सेहत पर नजर रखना भी जरूरी है। अगर लक्षण 5–6 दिनों में कम नहीं होते, लगातार बने रहते हैं या हालत बिगड़ती महसूस होती है, तो डॉक्टर से सलाह लें। खासतौर पर छोटे बच्चों, बुजुर्गों और किसी अन्य स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे लोगों में लक्षण दिखाई देने पर चिकित्सा सलाह लेने में देर नहीं करनी चाहिए।

क्या है कोर्टिसोल बेली फैट, जो आपकी टेंशन और तनाव से तेजी से बढ़ता है, कैसे कम करें

पेट पर जमा चर्बी शरीर में कई तरह की समस्याओं को जन्म दे सकती है। एब्डोमिनल फैट बढ़ने के कारण फैटी लीवर, हार्ट की बीमारी, हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। क्रोनिक स्ट्रेस शरीर में कोर्टिसोल हार्मोन को बढ़ाता है। ये एक तनाव हार्मोन है, जिसके ज्यादा मात्रा में पैदा होने से कई तरह की शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होती हैं। अतिरिक्त कोर्टिसोल हार्मोन फैट को भी बढ़ावा देता है। खासतौर से पेट के आसपास ज्यादा चर्बी जमा होने लगती है। इसे 'कोर्टिसोल बेली' भी कहा जाता है। इसके अलावा फिजिकल एक्टिविटी कम होना, खराब डाइट और तनाव भी मोटापे की वजह बनता है। कोर्टिसोल बेली फैट पेट के आसपास जमा होने वाली चर्बी होती है। ये फैट शरीर में कोर्टिसोल हार्मोन के हाई होने के कारण बढ़ता है। कोर्टिसोल को अक्सर तनाव हार्मोन के रूप में भी जानते हैं। ज्यादा समय तक तनाव रहने के कारण कोर्टिसोल हार्मोन का लेवल हाई हो जाता है। इससे शरीर में अलग-अलग प्रभाव सामने आते हैं जैसे भूख बढ़ना, चयापचय में परिवर्तन और फैट जमा होना। अगर आपको लग रहा है कि तनाव की वजह से पेट की चर्बी बढ़ रही है तो इस तरह वजन को कंट्रोल करें। किसी भी तरह तनाव को कम करने की कोशिश करें। इसके लिए योग करें। आपको जो चीजें पसंद हो उन पर ज्यादा ध्यान और समय दें। आपको कौन सी चीज शांत करती है उसे करें। योग, किताबें पढ़ना, संगीत सुनना आराम दे सकता है।

तोंद हो गई है थुलथुल? रात को सोने से पहले पिएं इस मसाले का पानी

मोटापे को कम करने के लिए लोग हज़ार तरह के नुस्खें आज़माते हैं लेकिन कोई उपाय काम नहीं आता है। ऐसे में अगर आप भी अपने बढ़ते वजन से परेशान हैं तो हम आपके लिए एकदम आसान नुस्खा लेकर आए हैं।आपके वजन को कम करने में किचन का ये मसाला आपकी मदद कर सकता है। रसोईघर में पाए जाने वाला दालचीनी ऐसा मसाला है, जो खाने का ही स्वाद नहीं बढ़ाता, बल्कि आपकी सेहत के लिए भी फायदेमंद है। दालचीनी का पानी आपके वजन को आसानी से कम कर सकता है। चलिए हम आपको बताते हैं दालचीनी आपके लिए कितना फायदेमंद साबित हो सकता है। दालचीनी आपके बढ़ते वजन को कम करने में बेहद फायदेमंद है। ये स्लो मेटाबॉलिज्म को बेहतर और मजबूत बनाती है, जिससे आपका वजन तेजी से कम होता है। दालचीनी ओवरईटिंग और ब्लड शुगर लेवल को भी कंट्रोल करने में मदद करती है, इसलिए दालचीनी का इस्तेमाल बढ़त वजन वाले लोगों के लिए ,लाभकारी हो सकता है। रात को सोने से पहले आप दालचीनी की चाय या फिर उसका पानी भी पी सकते हैं। गर्म पानी में दालचीनी को उबालें और उबाल आने पर उस पानी में शहद मिलाएं और इसे पियें।

इन 2 तरीके से खाएंगे नींबू तो नहीं होगी अपच की समस्या, पेच और पाचन रहेगा दुरुस्त

अनहेल्दी डाइट और खाने-पीने में की गई लापरवाही की वजह से गैस, अपच और पेट की समस्याएं आम हो गई हैं। खाना सही तरीके से न पचने के कारण और कई बार ऑयली खाने से अपच की समस्या होने लगती है। सीने में जलन, गैस, ब्लोटिंग और कई बार पेट में हल्का दर्द अपच के कारण हो सकता है। कुछ लोगों को मितली भी आने लगती है। अपच की समस्या कई बार लोगों को परेशान कर देती है। ऐसे में आप कुछ घरेलू उपाय करके अपच से राहत पा सकते हैं। अपच की समस्या होने पर नींबू का उपयोग किया जा सकता है। नींबू अल्कलाइन प्रवृति का होता है जिससे खाने को पचाने में मदद मिलती है और मेटबॉलिज्म तेज होता है। जानिए अपच की समस्या से परेशान लोगों को नींबू कैसे खाना चाहिए? नींबू में साइट्रिक एसिड पाया जाता है जो शरीर में पाचन एंजाइमों को बढ़ा सकता है। इससे पाचन के वक्त खाने से तोड़ने में मदद मिलती है। गैस, अपच और एसिडिटी की समस्या में आराम मिलता है। अगर आप फैट वाली चीजें खाते हैं तो नींबू को डाइट में शामिल जरूर करें। नींबू में विटामिन सी पाया जाता है जो इम्यूनिटी को मजबूत बनाता है। पेट की सूजन कम करने और मौसमी बीमारियों को दूर रखने में मदद करता है। नींबू लिवर को डिटॉक्सिफाई करने में भी मदद करता है। इससे शरीर में जमा विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं। हार्ट बर्न और पाचन की समस्या कम होती है। अपच की समस्या को दूर करने के लिए नींबू पानी पी सकते हैं। नींबू पानी पीने से भोजन को पचाने में आसानी होती है। इससे अपच की समस्या दूर होती है।

बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर शरीर में दिखने लगते हैं ये संकेत



इन दिनों लोग दिल से जुड़ी बीमारियों का बहुत ज्यादा शिकार हो रहे हैं। कम उम्र में ही लोग हार्ट अटैक, स्ट्रोक जैसी गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। दिल से जुड़ी इन बीमारियों के पीछे सबसे बड़ी वजह आपका बढ़ता बैड कोलेस्ट्रॉल लेवल है। दरअसल, हमारे शरीर में गुड और बैड कोलेस्ट्रॉल दो तरह के कोलेस्ट्रॉल पाए जाते हैं।, लेकिन जब हमारी बॉडी में बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने लगते हैं तो लोगों को स्ट्रोक्स, हार्ट अटैक और दिल संबंधी बीमारी की समस्या बढ़ जाती है। कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना अनुवांशिक भी हो सकता है। कई बार पीढ़ी दर पीढ़ी ये बीमारी बढ़ती रहती है। जब हमारे शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने लगता है तो हमारे शरीर में पहले से ही कुछ संकेत दिखने लगते है। हाथ-पैर सुन्न पड़नाः शरीर में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से अक्सर लोगों के हाथ और पैर सुन्न पड़ें लगते हैं और पूरी बॉडी में सिहरन होने लगती है। बहुत ज्यादा सिर दर्दः हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ने से आपको सिर दर्द की समस्या हो सकती है। जब सिर के नसों में जब ढंग से ब्लड नहीं पहुंच पाता है तो उसके पीछे हाई कोलेस्ट्रॉल वजह हो सकती है। बेचैनी महसूस होनाः कोलेस्ट्रॉल के बढ़ने से दिल से जुड़ी बीमारियों और स्ट्रोक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

स्मार्ट फोन की लत बच्चों को बना रही मायोपिया का शिकार, 20 वर्ष में 3 गुना बढ़े मामले

अगर आपके भी बच्चे घंटों-घंटों तक मोबाइल, टीवी और लैपटॉप की स्क्रीन पर डटे रहते हैं तो सावधान हो जाइये, क्योंकि यही लत उन्हें मायोपिया का शिकार बना रही है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली की हालिया रिपोर्ट के अनुसार 20 वर्षों में छोटे-छोटे बच्चों में मायोपिया की बीमारी 3 गुना तक बढ़ गई है। रिपोर्ट के अनुसार 2001 में अकेले दिल्ली में मायोपिया के 7 फीसदी केस थे। मोबाइल का चलन बढ़ने पर 2011 में 13.5 फीसदी केस हो गए और अब 2021 तक 21 फीसदी बच्चे मायोपिया के शिकार हैं। डॉक्टरों के अनुसार मायोपिया का समय रहते इलाज नहीं किया गया तो यह आगे चलकर बच्चों में अंधेपन की वजह भी बन सकता है। यह एक ऐसी बीमारी है, जिसमें देर तक छोटी स्क्रीन (स्मार्ट फोन) को देखते रहने से बच्चों की आंख की पुतली का साइज बढ़ जाता है। ऐसे में उन्हें दूर की वस्तुएं साफ नहीं दिखाई देती। ऐसे में बच्चों को निकट दृष्टि दोष हो जाता है। नोएडा में सेक्टर 51 स्थित विजन प्लस आई सेंटर की निदेशक और आई सर्जन डॉ. रितु अरोड़ा ने बताया कि स्मार्ट फोन की लत से बच्चों में मायोपिया के केस काफी संख्या में सामने आ रहे हैं।

रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाता है शलभासन, जानिए सही विधि और फायदे

योग शरीर और मन को स्वस्थ रखने की एक प्राचीन पद्धति है, जिसके हर आसन का अपना विशेष महत्व है। इन्हीं महत्वपूर्ण आसनों में से एक है शलभासन। यह आसन पीठ, रीढ़ और कोर की मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए बहुत फायदेमंद है। शलभासन करते समय शरीर की मुद्रा 'शलभ,' यानी टिड्डे, जिसे अंग्रेजी में ग्रासहॉपर कहते हैं, के समान होती है। शलभासन रीढ़ की हड्डी की सेहत के लिए बहुत ही अच्छा होता है। यह पीठ के बल लेटकर किया जाने वाला एक बेहद लाभकारी आसन है, जो न सिर्फ रीढ़ की हड्डी को मजबूत करता है बल्कि पाचन तंत्र और मांसपेशियों के लिए भी वरदान माना जाता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, शलभासन एक ऐसा योगासन है जिससे रीढ़ की हड्डी मजबूत होती है और शरीर का वजन नियंत्रित रहता है। इस आसन को नियमित और सही तरीके से करने से पीठ की मांसपेशियों को मजबूत करने में मदद मिलती है। जिन लोगों को हल्का लोअर बैक दर्द या साइटिका जैसी समस्या रहती है, उनके लिए भी यह आसन उपयोगी हो सकता है, हालांकि किसी भी तरह के गंभीर दर्द या चोट की स्थिति में इसे खुद से करने के बजाय विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर है। शलभासन देखने में भले ही आसान लगे, लेकिन इसे करते समय शरीर के कई हिस्से एक साथ काम करते हैं। इस आसन में पेट के बल लेटकर पैरों को ऊपर उठाने का प्रयास किया जाता है। इससे पीठ और कमर के आसपास की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं। यही वजह है कि इसे बैक स्ट्रेंथ बढ़ाने वाले योगासनों में शामिल किया जाता है। शलभासन को करने के लिए सबसे पहले पेट के बल जमीन पर लेट जाएं। अपने हाथों को आगे की ओर फैला दें, हथेलियां ऊपर की ओर और पैर सीधे हों। माथा या ठुड्डी जमीन को छू रही हो। गहरी सांस लें और शरीर को स्थिर करें। सांस छोड़ते हुए दोनों पैरों को एक साथ धीरे-धीरे ऊपर उठाएं। पैरों को सीधा रखें और घुटनों को न मोड़ें। इसके साथ ही हाथों को भी ऊपर की ओर उठाना है। यह कुछ सुपरमैन पोज जैसा है। इस स्थिति में 10-30 सेकेंड तक रुकें, सामान्य रूप से सांस लेते रहें। इसके बाद धीरे-धीरे पैरों और छाती को जमीन पर लाएं और विश्राम करें। इस आसन को करने के दौरान कुछ सावधानियां भी बरतनी जरूरी है। गर्भावस्था, हर्निया, या पीठ/गर्दन की चोट वाले लोग इसे न करें। शलभासन का नियमित अभ्यास शरीर की पिछली मांसपेशियों को सक्रिय करने और उन्हें मजबूत बनाने में सहायक माना जाता है। लंबे समय तक बैठकर काम करने वाले लोगों में पीठ और कमर की मांसपेशियों पर लगातार दबाव बना रहता है। शलभासन के दौरान पैरों, कमर, पीठ, कंधों और शरीर के मध्य भाग की मांसपेशियां सक्रिय रहती हैं।



पुरी स्वर्गद्वार में अंतिम विदाई देने पहुंचे संकीर्तन कलाकार की मौत, अचानक नीचे गिरे

ओडिशा के पुरी के प्रसिद्ध स्वर्गद्वार से एक बेहद दुखद घटना सामने आई है। एक शव के अंतिम संस्कार के लिए संकीर्तन मंडली के साथ पहुंचे एक व्यक्ति की अचानक तबीयत बिगड़ गई और कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई। इस घटना से वहां मौजूद लोगों और संकीर्तन मंडली के सदस्यों के बीच शोक की लहर दौड़ गई। मृतक की पहचान प्रभात साहू के रूप में हुई है। वह एक संकीर्तन कलाकार थे और एक अंतिम यात्रा में शामिल होने के लिए अन्य सदस्यों के साथ पुरी के स्वर्गद्वार पहुंचे थे। जानकारी के मुताबिक, गजपति नगर निवासी बसंत कुमार दास का निधन हो गया था। इसके बाद उनके परिजन अंतिम संस्कार के लिए उनका शव लेकर पुरी के स्वर्गद्वार पहुंचे। परंपरा के अनुसार, अंतिम यात्रा के साथ एक संकीर्तन मंडली भी स्वर्गद्वार पहुंची थी। मंडली के सदस्य रास्ते भर भजन और धार्मिक गीत गाते हुए शव के साथ चल रहे थे। प्रभात साहू भी इसी संकीर्तन मंडली का हिस्सा थे और अंतिम यात्रा के दौरान संकीर्तन कर रहे थे। स्वर्गद्वार पहुंचने के बाद प्रभात साहू कुछ समय के लिए वहां बने प्रतीक्षालय में बैठे हुए थे। इसी दौरान अचानक वह बेहोश होकर गिर पड़े। घटना के बाद वहां मौजूद लोगों ने तुरंत उनकी मदद की और उन्हें इलाज के लिए पुरी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया।



हालांकि, अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद प्रभात साहू को मृत घोषित कर दिया। प्रभात साहू की अचानक मौत से स्वर्गद्वार में मौजूद लोग स्तब्ध रह गए। जिस जगह एक परिवार अपने करीबी को अंतिम विदाई देने पहुंचा था, वहीं कुछ ही देर में एक और व्यक्ति की मौत की खबर सामने आ गई। प्रभात साहू एक दिवंगत व्यक्ति की अंतिम यात्रा में संकीर्तन करते हुए शामिल हुए थे।

लेकिन किसी ने नहीं सोचा था कि अंतिम यात्रा में शामिल होने पहुंचे प्रभात खुद ही जिंदगी की आखिरी यात्रा पर चले जाएंगे। इस अचानक हुई घटना से संकीर्तन मंडली के सदस्य और वहां मौजूद अन्य लोग बेहद दुखी हो गए। घटना ने स्वर्गद्वार में मौजूद लोगों को गहरे सदमे में डाल दिया। कुछ दिन पहले मध्य प्रदेश में भी ऐसी ही घटना सामने आई थी, जहां शादी समारोह में एक व्यक्ति की अचानक मौत हो गई थी। पुरी के स्वर्गद्वार में हुई इस घटना ने अंतिम यात्रा में शामिल लोगों को गहरे सदमे में डाल दिया। जिस संकीर्तन मंडली के सदस्य भजन-कीर्तन करते हुए दिवंगत बसंत कुमार दास को अंतिम विदाई देने पहुंचे थे, उसी मंडली के प्रभात साहू की अचानक तबीयत बिगड़ने से माहौल पूरी तरह बदल गया। कुछ ही देर में वहां शोकाकुल परिवार के साथ मौजूद अन्य लोगों को एक और मौत का सामना करना पड़ा। प्रभात साहू के अचानक बेहोश होकर गिरने के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल उनकी सहायता की। उन्हें बिना समय गंवाए पुरी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों के प्रयास के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। अस्पताल में जांच के बाद चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही संकीर्तन मंडली के सदस्यों में भी शोक छा गया। मंडली के लोग अंतिम यात्रा के दौरान धार्मिक गीत और भजन गाते हुए स्वर्गद्वार पहुंचे थे।

लातूर में 58 पुलिसवालों का ही कट गया चालान

महाराष्ट्र के लातूर में लोगों के लिए रोड सेफ्टी का उदाहरण पेश करते हुए 58 पुलिसकर्मियों का ही चालान कर दिया। फाइन लगने वालों में कई पुलिस अफसर भी शामिल हैं, जिन्होंने बाइक पर चलते हुए अपने सिर पर हेलमेट नहीं लगाया था। यह स्टेप सड़क हादसों और मौतों को रोकने की प्रयासों के तहत, 1 सितंबर से पूरे जिले में हेलमेट का प्रयोग अनिवार्य करने से पहले उठाया गया। लातूर के SP अमोल तांबे ने निर्देश दिया है कि हेलमेट से जुड़े रूल्स के मामले में पुलिसकर्मियों को कोई छूट नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के ऊपर कानून लागू करने की जिम्मेदारी है, उन्हें सबसे पहले खुद भी इसका पालन करना चाहिए। जब से अमोल तांबे ने लातूर के SP का पद संभाला है, तब से ट्रैफिक ब्रांच को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि बिना हेलमेट के गाड़ी चलाने वालों के विरुद्ध एक्शन पुलिस डिपार्टमेंट के भीतर से ही शुरू हो। जो अफसर और कर्मचारी बिना हेलमेट के टू व्हीलर से पुलिस थाने आते हैं, उनके ऊपर भी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। यह घटना मुंबई-अहमदाबाद हाईवे के काशीमारा इलाके में हुई थी।

दिल्ली के लिए मुसीबत बन चुके हैं ये 8 नाले, अधिकारियों ने पहली बार की इनकी पहचान

नई दिल्ली। दिल्ली में बाढ़ और जलभराव की समस्या से निपटने के लिए अधिकारियों ने पहली बार 8 ऐसे नालों की पहचान की है, जिन्हें साफ करना बेहद मुश्किल माना गया है।

इन नालों में अतिक्रमण, सीवर का पानी, कूड़ा और गोबर डालने जैसी समस्याएं हैं। इन वजहों से नालों की सफाई और बारिश के दौरान पानी की निकासी प्रभावित होती है। इन 8 'मुश्किल' नालों का जिक्र सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण (I&FC) विभाग की सर्विस प्लान रिपोर्ट में किया गया है।

हाल ही में मंजूर दिल्ली मास्टर प्लान-2047 (MPD 2047) में इनकी समस्याओं और उन्हें दूर करने के उपाय भी बताए गए हैं।

एस्केप ड्रेन नंबर-1: एस्केप ड्रेन नंबर-1 में नाले के अंदर से गुजर रही दो पानी की पाइपलाइन पानी के बहाव में रुकावट पैदा कर रही हैं। बिहारीपुर ड्रेनः उत्तर-पूर्वी दिल्ली का बिहारीपुर ड्रेन दोनों तरफ से घनी आबादी और घरों से घिरा हुआ है। इससे सफाई मशीनों को नाले तक पहुंचाना मुश्किल होता है। नाले में भारी मात्रा में नगर निगम का कचरा और गोबर भी डाला जाता है। समस्या दूर करने के लिए नाले के समानांतर एक सड़क बनाने का प्रस्ताव है, ताकि सफाई मशीनों की आवाजाही आसान हो सके। जरूरत पड़ने पर नाले के दोनों तरफ बनी बिना योजना वाली या अवैध इमारतों को हटाने का भी सुझाव दिया गया है। साथ ही नाले के चैनल को नए सिरे से व्यवस्थित करने यानी री-मॉडल करने की बात कही गई है।

बुंद ड्रेनः बुंद ड्रेन की स्थिति भी कुछ ऐसी ही है। इसके आसपास घर बहुत पास-पास बने हैं, जिससे सफाई के लिए जगह नहीं मिलती। नाले में कचरा और गोबर डाले जाने से समस्या और गंभीर हो गई है।

किराड़ी सुलेमान नगर ड्रेनः किराड़ी सुलेमान नगर ड्रेन के सामने सबसे जटिल सीवर और कचरा प्रबंधन की समस्या है। रिपोर्ट के अनुसार, यहां 106 अवैध और बिना सीवर वाली कॉलोनियों से घरेलू कचरा, सीवर का पानी और नगर निगम का कचरा नाले में पहुंचता है।

पंखा रोड ड्रेनः पंखा रोड ड्रेन में कचरा डालने, अतिक्रमण और ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइनों के कारण कई तरह की दिक्कतें हैं।

रिलीफ ड्रेनः रिलीफ ड्रेन में भी सफाई मशीनों के लिए पर्याप्त जगह नहीं है। स्थानीय लोगों की ओर से नगर निगम का कचरा डाले जाने के अलावा रेहड़ी-पटरी वाले भी रोजाना अपना कचरा नाले में डालते हैं।

नसीरपुर ड्रेनः पश्चिमी दिल्ली के नसीरपुर ड्रेन में आसपास रहने वाले लोग बड़ी मात्रा में नगर निगम का ठोस कचरा डालते हैं। इसकी एक बड़ी वजह आसपास कचरा जमा करने के लिए उचित 'ढलाव' यानी कूड़ा संग्रह केंद्रों की कमी है।

असोला ड्रेनः दक्षिणी दिल्ली का असोला ड्रेन भी आसपास रहने वाले लोगों की ओर से बड़ी मात्रा में नगर निगम का कचरा डाले जाने की समस्या से जूझ रहा है।

हिंदी बोलते उज्बेक छात्रों का VIDEO देख गदगद हुए PM मोदी, सोशल मीडिया पर यूं जताई खुशी



नई दिल्ली। उज्बेकिस्तान की अपनी राजकीय यात्रा पर रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ताशकंद के कुछ युवा छात्रों का एक वीडियो देखकर खुशी जताई है। वीडियो में उज्बेकिस्तान के छात्र प्रधानमंत्री मोदी का हिंदी में गर्मजोशी से स्वागत करते नजर आ रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि उज्बेकिस्तान के उनके युवा मित्रों का उत्साह देखकर उन्हें बेहद खुशी हुई, खासकर इसलिए क्योंकि छात्रों ने हिंदी में इतनी अच्छी तरह अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान की यात्रा पर गए हैं। बता दें कि वीडियो में ताशकंद के कई छात्र बारी-बारी से प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करते दिखाई देते हैं।

'उज्बेकिस्तान की अपनी यात्रा शुरू करने से पहले मुझे अपने उज्बेकिस्तान के युवा मित्रों का उत्साह देखकर बहुत खुशी हो रही है, जिसे उन्होंने इस वीडियो में खूबसूरती से व्यक्त किया है। इसे और भी खास बनाने वाली बात यह है कि उन्होंने यह हिंदी में किया और बहुत अच्छी तरह किया।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान की दो देशों की यात्रा पर रवाना हुए। उन्होंने विश्वास जताया कि यह यात्रा मध्य एशिया में भारत की रणनीतिक साझेदारियों को और मजबूत करेगी।

नगर पालिका चुनाव से पहले शिक्षा मंत्री के बहू-बेटे को झटका, वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने का आवेदन खारिज



बारां। बारां जिले में पहली बार बनी अटरू नगर पालिका के चुनाव से पहले वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के बेटे पवन दिलावर और बहू हेमलता दिलावर द्वारा वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने के लिए किए गए आवेदन को एसडीएम ने जांच के बाद खारिज कर दिया है। मामला अटरू नगर पालिका के वार्ड नंबर 21 का है। शिक्षा मंत्री और उनका परिवार रामगंजमंडी विधानसभा के रंगबाड़ी इलाके में रहते हैं। इसके बावजूद उनके बेटे-बहू ने 21 अगस्त को अटरू नगर पालिका के वार्ड-21 की भाग संख्या-1 में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन किया। आवेदन में पता - मकान नंबर 10, बस स्टैंड के पास, अटरू लिखा था, जिसमें कांतिबाई का नाम दर्ज है, जो रिश्ते में उनकी ताई लगती हैं। विवाद की सबसे बड़ी वजह आवेदन पर लगे अंगूठे के निशान हैं। शिक्षित होने के बावजूद दोनों ने फॉर्म पर हस्ताक्षर नहीं कर अंगूठा लगाया। बीएलओ ने बिना जांच-पड़ताल और बिना हस्ताक्षर करवाए ही नाम जोड़ने की अनुशंसा कर आवेदन एसडीएम को भेज दिया। आवेदन एसडीएम अंजना सहरावत के पास पहुंचा तो उन्हें संदेह हुआ। उन्होंने 5 सदस्यीय कमेटी बनाकर जांच करवाई। कमेटी ने आवेदन में लिखे पते का मौका-मुआयना किया और आसपास के 5 मकानों के निवासियों के बयान लिए। सभी ने कहा कि पवन और उनकी पत्नी न तो पहले कभी यहां रहे हैं और न ही अभी रह रहे हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर एसडीएम ने दोनों आवेदन निरस्त कर दिए। आदेश में एसडीएम ने स्पष्ट लिखा है कि - शिक्षा मंत्री के बेटे और बहू ने आवेदन पर साइन नहीं करके अंगूठा लगाया है, यह प्रमाणिकता और वास्तविकता के संबंध में संदेह उत्पन्न करता है। अटरू के वार्ड-21 में रहने का कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया गया है। उनकी ओर से केवल रंगबाड़ी का आधार कार्ड पेश किया गया है। दरअसल, बारां जिले में अटरू पहली बार नगर पालिका बनी है और यहां चेयरमैन का पद एससी वर्ग के लिए रिजर्व है। चर्चा है कि इसी वजह से वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने का आवेदन किया गया ताकि नगर पालिका चुनाव लड़ा जा सके। यहां से उनके चाचा कृष्ण मुरारी भी चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। हालांकि पवन दिलावर ने चुनाव लड़ने की बात से इनकार किया है।

सीएम धामी की सख्ती के बाद मौलाना मुफ़्ती मुजीब पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार, सरकार को दी थी धमकी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने सख्त लहजे में मौलाना मुफ़्ती मुजीब को चेतावनी देते हुए कहा कि यह देवभूमि है



उत्तराखंड में भड़काऊ भाषण देने वाले मौलाना की मुसीबत बढ़ गई है। पुलिस के डर से मुफ़्ती मुजीब भागा भागा फिर रहा है। मुफ़्ती मुजीब ने रुद्रपुर में तकरीर के दौरान सरकार को सीधी चुनौती दी थी। अवैध मदरसों पर धामी सरकार के एक्शन से भड़का मौलाना धमकी दे रहा था। उसने कहा था कि अगर मदरसों को बंद किया तो मुसलमान वो हाल कर देगा जो कभी नहीं हुआ। मौलाना की भड़काऊ तकरीर पर लोग तालियां बजा रहे थे। बारावफ़ात के मौके पर 26 अगस्त को मुफ़्ती मुजीब ने ये भडकाऊ तकरीर की थी। मौलाना मुफ़्ती मुजीब के भड़काऊ भाषण बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि सामाजिक ताने बाने को बिगाड़ने नहीं दिया जाएगा। ऐसे मौलानाओं के खिलाफ सख़्त एक्शन लिया जाएगा। पुलिस उस मौलाना को गिरफ़्तार कर करके सख़्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में नफ़रत की कोई जगह नहीं है। ऐसी तकरीरें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। सीएम धामी ने कहा कि मौलाना भारत के संविधान को नहीं मानते हैं और इसी प्रकार से धमकी देने का काम करते हैं। वो ज़माना चला गया जब लोग धमकी पर आते थे और इनके वोटों के चक्कर में तुष्टिकरण करते थे। इनके क़ब्ज़ों के सहन करते थे। इनके डेमोग्राफ़िक बदलाव पर कुछ नहीं बोलते थे। अब सरकार बदल गई है। कानून का राज स्थापित हुआ है। संवैधानिक जो हमारी मान्यताएं हैं। संविधान ने जो प्रावधान किया है, उसके अनुरूप काम होता है। जिन्होंने इस प्रकार का बयान दिया है, उनको प्रशासन ढूंढने का काम करेगा। वहीं, सीएम धामी ने कल कहा था कि सेना में 4 साल सेवाएं देने के बाद घर वापसी करने वाले अग्निवीरों के लिए अलग रोजगार सेल बनाने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य बन गया है। वहीं, रुद्रपुर के मेयर ने मौलाना को सीधी चेतावनी दी है। मेयर विकास शर्मा ने कहा है कि ऐसे मौलानाओं का नट-बोल्ट कस दिया जाएगा। धामी सरकार नट-बोल्ट कसना जानती है। मौलाना का बयान इस देवभूमि में स्वीकार नहीं किया जाएगा। वहीं, रुद्रपुर के सीओ ने कहा कि बारावफ़ात के जुलूस के दौरान त्रिशूल चौक पर एक मुफ़्ती द्वारा अनर्गल बयान दिए गए और ख़िलाफ़ मुक़दमा पंजीकृत किया गया है। मामले की जांच जारी है। वहीं, रुद्रपुर में बारावफात जुलूस के दौरान त्रिशूल चौक पर दिए गए कथित विवादित बयान के मामले में अब मुफ्ती मुजीब की सफाई सामने आई है। मुफ्ती मुजीब ने अपने बयान में कहा है कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनका मकसद सरकार को चेतावनी देना नहीं, बल्कि अपनी बात को अनुरोध के तौर पर रखना था। मुफ्ती मुजीब के कथित बयान को लेकर उत्तराखंड में राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर विवाद तेज हो गया है। रुद्रपुर में बारावफात के जुलूस के दौरान दिए गए भाषण का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई शुरू की। साथ में सामाजिक सौहार्द ख़राब करने की कोशिश की गई। इस संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन में तुरंत इसमें संज्ञान लिया गया और इसमें इन मुफ़्ती के

उज्जैन में हत्या के आरोपियों का निकाला जुलूस, पुलिस ने बरसाए डंडे, आरोपी मांगते रहे माफी



मध्य प्रदेश के उज्जैन के माधव नगर थाना के दमदमा क्षेत्र में गुरुवार-शुक्रवार की रात 2 बजे बीच सड़क में खड़े युवकों को साइड में होने का कहने की मामूली सी बात पर ट्रैक्टर शोरूम संचालक की हत्या कर दी गई। ऋषिनगर निवासी ट्रैक्टर शोरूम संचालक पांच दोस्तों को उनके फ्लैट पर छोड़ने कार से निकले थे। इसी दौरान दमदमा में उक्त घटना हो गई। किसी तरह पांच दोस्त कार से जान बचाकर भागे और मदद मांगने थाने पहुंचे। बताया कि हमारा दोस्त वहीं फंस गया है, जल्दी चलो नहीं तो मार देंगे। इसके बाद पुलिस मदद को पहुंची, लेकिन 3 घंटे बाद ट्रैक्टर शोरूम संचालक की लाश एक दुकान के पीछे मिली। मामले में पुलिस ने हत्या का प्रकरण दर्ज कर 7 आरोपी चिन्हित किए है। 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों को कोर्ट में पेश करने से पहले पुलिस उन्हें घटनास्थल पर लेकर गई। वहां आरोपियों ने हेकड़ी दिखाने की कोशिश की। इस दौरान जनता भी नाराज नजर आई। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों पर लाठियां बरसाईं। जनता खुश दिखाई दी तो वहीं आरोपी माफी मांगते नजर आए। पुलिस यहीं नहीं रुकी करीब आधा किलोमीटर तक आरोपियों को पैदल लाया गया और इस दौरान लगातार लाठियां पड़ती रही। वे आगर रोड मंडी में ट्रैक्टर का शोरूम चलाते थे।

जन्माष्टमी से पहले मथुरा-वृंदावन को लेकर CM योगी ने दिए खास निर्देश, गणेश प्रतिमाओं की ऊंचाई भी रहेगी निर्धारित



लखनऊ। सीएम योगी ने आगामी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, विश्वकर्मा पूजा और गणेश चतुर्थी के दृष्टिगत मुख्यमंत्री ने पुलिस-प्रशासन को पूरी सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पूरे प्रदेश में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई जाती है। मथुरा-वृंदावन में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए क्राउड कंट्रोल की विस्तृत कार्ययोजना पहले से तैयार की जाए। श्री बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन के साथ समन्वय कर अलग कार्ययोजना तैयार करने तथा आवश्यकता के अनुसार होल्डिंग एरिया की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने वृंदावन में नया पुलिस सर्किल गठित कर आवश्यक पुलिस बल की तैनाती तथा मथुरा और वृंदावन के लिए अलग-अलग जॉइंट मजिस्ट्रेट की तैनाती के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी थानों और पुलिस लाइनों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आस्था और श्रद्धा के भाव से मनाई जाए। थानों में आकर्षक झांकियां सजाई जाएं और इसमें आमजन को भी सहभागी बनाया जाए। गणेश चतुर्थी के बाद प्रतिमा विसर्जन के दौरान विशेष सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हाईटेंशन तारों से दुर्घटना की आशंका को देखते हुए प्रतिमाओं की ऊंचाई निर्धारित सीमा के भीतर ही रखी जाए। वर्तमान में कई नदियों के उफान पर होने के दृष्टिगत विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजस्व न्यायालयों में वर्षों से लंबित मामलों को समयबद्ध ढंग से निस्तारित करने के निर्देश दिए हैं।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार I RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415